Vol I
No 19



Thursday
26th March 1953

HYDERABAD LEGISLATIVE ASSEMBLY DEBATES

Official Report

CONTENTS

THE HYDΓRABAD LΓGISI ATIVΓ ASSEMBLY

Tl u s la ❖ tl e 26*th la*ȷ *of Ma ch* 1958

Tl o House mct at Tl ee of the Clock

[M Speakcr n the Cha r]

Starred Questions and Answers

Mr Speal e Wo shall ı ow take up tl e quest ons

A DED Sc OOLS

*208 (85) *Sh M Bu l al* (S pur) W ll the hon M n ster for I l cat on be ȷ leased to state

(*a*) Tl e tot l nu nber of A ded M ddle Schools n the Stato?

(*b*) Il total ecu r ng exȷ end ture ncurred on the A dcd M ddlo Scl ool at Bellampall ?

(*c*) Tl o total expend ture borne by Government and by the autho t es of tho Coll e es respect vely ?

श्री देवीसिंग चव्हाण (शिक्षण मंत्री)

(अे) हैदराबाद स्टेट में जो अेडेड मिडिल स्कूल (A ded M ddle Schools) चलाये जाते हैं वह कुल ४६ हैं जिसमे से २९ लडकों के लिये और १७ लडकियों के लिये हैं

(बी) बलमपल्ली मे जो अेडेड मिडल स्कूल है उसको हुकमत की तरफ से १९८८ रुपये की सालाना अिमदाद दी जाती है

(सी) अिसपर जो अखराजात होते हैं असमे से १९ रुपये हाली हुकूमत की तरफ से दिये जाते हैं और १५ रुपये आय की कॉलरीज के अथारिटीज (Authorit es) करते हैं

سری م هیا سوہس سکو لس کا ہم ہم سب کس کے ںه اں —

श्री देविसिंग चव्हाण —यह कंपलीटली (Completely) पब्लिक की नॉमिनेटेड कमिटी (Nominated Comm ttee) होती है और उसके ही हाथ मे जिसका मनेजमेंट (Management) होता है

سری کو ال ڈ کو ے کهاں) یلڈ سکو لس کو گ سب مه ںاهی عای
— ںا مسںا ں ںا ںالا ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण — जिस सिजरिजेम रकम देते समय पूरा तायुन किया जाता है और साल में तीन चार बार ग्रॅंट दी जाती है।

مسری گو پال راؤ اکو ے د آ ل ر اس ۔ وا ب ں د مدارس دو
سہ ماہی گرانٹ وصب ہو ں ای دی وصب گر ا ے اس لے د س وعیر کی
ہوا وصب ہو دہاں

श्री देवीसिंग चव्हाण —आजतक तो यही तरीका अंगीकार किया गया है कि ग्रॅंट देने के पहले अुनके सालाना हिसाब देख जाते हैं।

سری ایم چھا لیا بلا لی مڈل اسکول کے ارے ں آپ کے اس کوئی سکایت
وصول ہوئی ہے

श्री देवीसिंग चव्हाण — —गव्हर्नमेंट को जिसका अिल्म नहीं है।

FALSE CERTIFICATES

*200 (108) *Shri Ch Venkatrama Rao (Karimnagar)* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(*a*) Whether any trained matriculates or trained middle passed teachers are working in the Education Department with false certificates?

(*b*) Whether the cases of false certificates were brought to the notice of Inspector of Schools Karimnagar?

(*c*) If so then number?

(*d*) What action the Government have taken in such cases?

श्री देवीसिंग चव्हाण

(ओ) गव्हर्नमेंट को जिसकी कोअी अिल्म नहीं है।

(बी) हां लायी गयी थी।

असे कितने केसेस वसूल हुअे हैं। जिसका जवाब है कि आठ केसेस वसूल हुअ हैं।

(डी) अुनपर जो अॅक्शन लिया गया वह जिस प्रकार है। अुनमसे पांच को काम पर से अलाहिदा कर दिया गया है अक मबस्कॉंड (Abscond) हो गया है अुसकी केस जेरेगोर है सातवा आदमी सिकलिव्ह (Sick leave) लेकर गया है वह भी केस जेरेगोर है और आठवेको ससपंड (Suspend) कर दिया गया है और अुसके बारेमे पुछताछ जारी है।

شری سی ایچ وینکٹ راما راؤ ۔ یہ سکایس کب وصول ہوئیں اور ایکسن
کب لیا گیا ؟

श्री देविसिंग चव्हाण जिसके लिय तो अलग नोटीस की जरूरत ह जिसके तफसिलात अभी हमारे पास नही है

سری بی ایچ وینکٹ راما راؤ ۔ جب سلسلہ ملازمت کی شکایتیں وصول ہوتی ہیں تو
جھوٹے سرٹیفکٹس کی سراغرسانی کے لیے آیا کوئی پروسیجر اختیار کیا گیا ؟

श्री देविसिंग चव्हाण —तरीका तो यही अख्तियार किया गया ह कि झूट सर्टिफिकेट हो तो अुसपर अॅक्शन लिया जाता है।

سری بی ایچ وینکٹ راما راؤ ۔ جب درخواستیں وصول ہوتی ہیں تو ان کی دلیل
اور ثبوت کے طور پر جو ہوتی ہیں تو آیا ان کی تنقیح کرانے کے لیے آخر کیا طریقہ
اختیار کیا ؟

श्री देविसिंग चव्हाण —बाबते तालिमात म जिसके लिये प्रोसीजर (Procedure) मौजूद है और अुसके तहत ही अॅक्शन लिया जाता ह।

سری کے ایل نرسمہا راؤ (یلاندو ام) کیا حکومت کے علم میں جاری
سرٹیفکیٹ کے ذریعہ کا پتہ لگا کہ ؟

श्री देविसिंग चव्हाण —मुझको तो जिसका अिल्म नही ह।

MEDIUM OF INSTRUCTION

*210 (807) *Shri Shrihari (Kinwat)* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(*a*) The number of schools in Adilabad district with Telugu Marathi and Hindusthani as medium of instruction ?

(*b*) The number of schools having both Hindusthani and any other regional languages as medium of instruction ?

श्री देविसिंग चव्हाण —(अ) और (बी) का जवाब टबल पर रखा गया ह किंतु मै आपके जानकारीके लिय यहा पढ देता हू।

[Statement

स्कूलों के प्रकार	भाषा माध्यम					
	तेलगू	मराठी	हिंदुस्थानी	तेलगु और हिंदुस्थानी	मराठी और हिंदुस्थानी	तेलगु मराठी हिंदुस्थानी
१	२	३	४	५	६	७
हायस्कूल				२		१
मिडल स्कूल	१	१		४		३
प्रायमरी स्कूल	१९९	५६	१	१८		१
स्पेशल स्कूल्स	७					
अपरपरिमेंट स्कूल	१७	३३				
ब्हालन्ट्री मेडेड स्कूल्स	२२	१२				
कुल	२४९	१ ५	१	२४		५

NUMBER OF VACANCIES

*211 (851) *Shri L K Shroff (Raichur)* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(*a*) The number of vacancies of graduate teachers during 1952 58 ?

(*b*) The reasons for not filling the above vacancies so far ?

(*c*) Whether it is a fact that some graduates who were selected by the D P I in July last were not posted in spite of the vacanies ?

श्री देशपांडे म्हाप्प —(ये) जो वेकनसीज (Vacancies) थी अुनकी तादाद १२४ थी।

(बी) और (सी) का जवाब यह है कि ९ वेकनसीज नही भरी गयी। जिसकी वजह यह थी कि अुसमें से ९ कॅंडिडटस (Candidates) का सिलेक्शन जुलै १९५२ में किया गया था। लेकिन अुन्होंने के सब्जक्ट (Subject) बी अ के जिमतेहान के लिय थ वह मदरसों के लिये

अरूरी नही थ अिस लिय अुहे नही किया गया। बाकी बची ३ अगहो पर अिसलिय तकरूर नही किया गया वयोंकि अुसम से वो रिट्रचड (Retrenched) कोगो के लिय रखी गयी थी और अक डिपाटमट के मुर्वारखो मे लिये थी। अिसतरह अिनकी तफसील ह।

مسری اسں رنلی کرے سارس ہے کا سحاب ڈی پی آئی نے ادا ہے ؟

श्री देविसिंग चव्हाण —६ मुदरसीन य अिनका अपाअिंटमट (Appointment) डी पी आय ने किया।

مسری اسں رنلی (کہ لہ) لنا انکے سصاس ا ہے نہے نہ وہ کسی مدرسے
س کام ہیں کر سکے تھے ؟

श्री देविसिंग चव्हाण —मैंने तो अभी अज किया कि जो सबजक्ट पढान के लिय चाहिय वे वो नही पढा सकते थे।

श्री अण्णासाहेब गव्हाण (परभणी) —क्या अिन तीन के लिय अडव्हरटाअिजमेंट (Advertisement) दिया गया था?

श्री देविसिंग चव्हाण —अिसकी जरूरत नहीं थी।

Shri L K Shroff Is it the considered opinion of the Government that the retrenched personnel from the Customs Department and the Civil Services Department who have put in 15 or 20 years of service should be taken by the Education Department?

श्री देविसिंग चव्हाण —जिस तरह से य सवाल पूछा गया ह अुस तरह से अुसपर हुकूमतन गौर नही किया ह। ताहिमात में अगर तकरूर नही हो सका तो दूसरे डिपाटमट म कोशिश की जाती है।

Shri L K Shroff The hon Minister has just now said that 2 retrenched personnel have been taken into the Education Department

श्री देविसिंग चव्हाण —मेरे कहने का मतलब कस्टम डिपाटमट से ही अैसा नही था।

Head Mistress—A T B Patient

*212 (868) *Shri Vishwas Rao Patil (Parenda)* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(a) Whether it is a fact that the Head Mistress of Government Girls Middle School of Osmanabad is suffering from T B ?

(*l*) Whether she is considered to be fit to discharge the duties of her post ?

श्री वेंकिंसिंग चव्हाण —(ओ) जिसका जवाब नफी म है। क्योंकि टी बी नही हुवा ह।

(बी) सवाल ही पैदा नही होता।

سری وشواس راؤ شل دا ہ صحیح ہے د کوں ی ہوگیا ہے ؟

श्री वेंकिंसिंग चव्हाण —यह सही नही ह।

سری وسواس راؤ پٹیل کس ارع کہ ر ای ہے ؟

श्री वेंकिंसिंग चव्हाण – रिपोट की तारीख तो यहा मेरे पास नही ह।

سری وشوس راؤ پٹیل ان ط ما ہ کس ے کیا ھا ؟

श्री वेंकिंसिंग चव्हाण —ओुस्मानाबाद के सिव्हिल सजन के पास भजकर मायना किया गया। सिव्हिल सजन के मेडिकल रिपोट म यह साफ ह कि ओुन्हे टी बी नही हुवा ह।

श्री वामनराव देसमुख (मोमिनाबाद जनरल) —क्या यह ठेक मिस्ट्रेस हैदराबाद आयी और जिसके बारे म मिनिस्टर साहब से मिलकर ओुनको आग्रह किया ?

श्री वेंकिंसिंग चव्हाण —यह सही नही ह।

Non Receipt of Salaries

*218 (402) *Shri G Hanumanth Rao* (*Mulug*) Will the hon Minister for Education be pleased to state

(*a*) Whether it is a fact that the teachers of Andhra Vignana Vardhani Middle School Bachannapeta are not receiving their salaries regulary since October 1952 ?

(*b*) Whether any representation has been made in this regard ?

(*c*) What action has been taken thereon ?

श्री वेंकिंसिंग चव्हाण —(अ) और (बी) जिस स्कूल के शिक्षको को सन १९५२ ऑक्टोबर से कोओी सॅलरी (Salary) नही मिली ह असी कोओी दरखास्त अब्युकेशन डिपाटमट के पास नहीं आयी है।

(सी) सवाल पैदा नहीं होता।

سری وی ڈی دسپانڈے (ا ا گ ز) کا اس سلسلہ میں یہ سکا ب آی ہے کہ حکومت کی اد سے ہوگا ب (Grant) ھی ہے اوس ں سے مدر ں کو پوری سحوا دکر پوری ا کے وصول ہوے کی رسید لیجای ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण – असी कोभी कपलट (Complaint) वसूल नही हुभी ह।

سری وی ڈی دسانڈے کیا یہ صحیح ہے کہ ٹدرس کو اکور سے
یہ اس میں لی ہیں ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —असी कोभी धिकायत नही ह।

سری وی ڈی دسانڈے کیا اس ادارے کو حکومت کی طرف سے گرانٹ
اجاتا ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —हा दी जाती ह।

شری وی ڈی دسانڈے کیا معلوم کرسکتے ہیں کہ امر آئی ہیں کہ و
کس طرح خرچ کیا جاتا ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण जब यह ग्रट दी जाती ह तो पिछले साल के आडिटड अकाउट (Audited Account) मगाय जाते ह और यह हिसाब देखकर ग्रट दी जाती ह। ग्रट जिस तरह खच की गभी जिसके तफसिलात गव्हमट के पास नही होते ह।

سری کی لسکمی بائی (بھاسواڑ) کیا ر اسکول کی کوئی ہیمنگ کی ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —होती तो ह।

شری سی ہنمنت راؤ گرانٹ کب دیا جاتا ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —जिसके लिय नोटिस दिया जाय।

شری سی ہنمنت راؤ کیا یہ کونسل (Question) کے لئے د
سسر صاحب نے آپ کی کاپی کا کردکھا ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —जिसकी जरूरत नही समझी गभी। यह सब काम डी पी आय देखते ह।

श्री रंगराव देशमुख (गगाखड) —जिस अिदारे के सेक्रटरी कौन है ?

श्री देवीसिंग चव्हाण —मुझको मालूम नही है।

شری رنگ راؤ دیسمکھ جو گرانٹ دیا جاتا ہے کیا ہر مہینے دیا جاتا ہے ؟

منسٹر اسسکر انہوں نے یہ اب دیا ہے کہ ہر مہینہ یا ایک ہی مہینہ دیا جاتا ہے

Number of Teachers in Adilabad

*214 (804) *Shri Shrihari* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(*a*) The number of untrained and non matriculate teachers working in the schools of Adilabad district ?

(l) If so the reasons for employing unqualified personnel?

श्री देवीसिंग चव्हाण —आदिलाबाद में अनट्रेन्ड (Untrained) और नान मट्रिक की (Non matric) की तादाद अिस प्रकार है।

ग्रज्युअट	१४
अिंटर मिडियट	७
मट्रिक्युलेट	३७१
ना क्वालिफाअीड	१२९
मुन्शीज	४५
कुल	५७८

(बी) यह जो अनक्वालीफाअीड टीचर्स मदरसो में रखे गये हैं वे ज्यादा तर अेजन्सी अेरिया में रखे गये हैं जिसकी वजह यह थी कि क्वालिफाअीड लोग नहीं मिलते थे। अब तो अनक्वाली फाअीड लोगों को अिस डिपार्टमेंट में नहीं अपाअिंट किया जा रहा है।

شری سری ھری اسے ھو ۔ و کیولیس (Matriculates) کی طرف سے درخواست ہیں ۔ ورنی ھی کیا ا ن وکران مل ری ہں ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —जैसे व्हेकेंसीज (Vacancies) होती हैं वैसे नोकरिया मिलती

سری سری ھری کیا ان کوالیفا ئڈ (Non Qualified) لوگوں کو حل کر ے لوگوں کو وکرياں ہیں دی جاسکیں ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —अिस तरह नहीं किया जाता है। अलबत्ता जो पुराने पुराने लोग नान क्वालिफाअीड हैं और वजीफा लेकर जा रहे हैं अनकी जगहों पर नये क्वालिफाअीड लोगों को लिया जा रहा है। जिनकी दस दस साल की सर्विस हुअी है अनको नहीं निकाला जा सकता है।

BELLAVASTA PALACE

*215 (127) *Shri G Hanumanth Rao* Will the hon Minister for Finance be pleased to state

(a) The rent collected on Bellavasta Palace since the Police Action ?

(b) The expenditure incurred on Bellavasta Palace since the Police Action ?

The Minister for Finance and Statistics (Dr G S Melkote) —

(a) Nil.

(b) Rs 79 754

Shri Maqdum Mohiuddin (Huzurnagar) —Who lives in Bellavasta Palace ?

Dr G S Melkote The Prince of Berar

شری مخدوم محی الدین ۔ کیا اس کا کرایہ وصول ہوگا ؟

Dr G S Melkote Till 1951 no rent was collected We have decided to collect at Rs 8 500 a month including furniture rent from 1951

شری مخدوم محی الدین ۔ جس طرح ایک طرف چھوٹے چھوٹے ملازمین کا الونس کرایہ مکان بند کر دیا گیا اور سی آئی بی کوارٹرس کا کرایہ ڈبل (Double) کر دیا گیا اسی طرح کیا پرنس آف برار کے مکان کا کرایہ بھی ڈبل کیا جائے گا ؟

Dr G S Melokte This matter was under discussion then we have decided to collect We will certainly collect

شری مخدوم محی الدین ۔ میرا سوال یہ ہے کہ گورنمنٹ کی اس سلسلہ میں کیا پالیسی رہے گی جس طرح سی آئی بی کوارٹرس (C I B Quarters) کا کرایہ ڈبل کر دیا گیا ہے اسی طرح پرنس آف برار کے مکان کا کرایہ بھی ڈبل کیا جائے گا یا نہیں کیا جائے گا ؟

Dr G S Melkote This quetion does not arise I just now said that till 1951 no rent was collected It was only after the Democratic Government came to power that it decided to collect We want to collect it with retrospective effect at Rs 8 500 a month

شری مخدوم محی الدین ۔ لیکن اس سلسلہ میں پالیسی کیا ہے ؟

Dr G S Melkote Each case will be decided on its own merits

شری مخدوم محی الدین ۔ اس میں مرٹس (Merits) کا کوئی سوال نہیں ہے ۔ میں یہ دریافت کرنا چاہتا ہوں کہ کیا پرنس آف برار کی حیثیت کرایہ دار کی نہیں ہے ؟ اگر ہے تو جس طرح دوسرے کرایہ داروں کے ساتھ عمل کیا جاتا ہے کیا ان کے ساتھ عمل کیا جائیگا یا نہیں ؟ اس میں میرٹس کا کیا سوال ہے ؟

چیف منسٹر (شری بی رام کشن راؤ) آنریبل ممبر سوال کو مخلوط کر رہے ہیں سی آئی بی کوارٹرز (C.I.B Quarters) اور وہ پرٹیکولر ہاؤز (Particular House) جس میں پرنس آف برار کو رہنے کی اجازت دیگئی ہے ان دونوں

میں کری اانالوی (Analogy) نہیں گرسنہ سال نعی سنہ ع تک
لاکسی کرانہ کے اوں لی اس ہی رہیے کی احارت دیکی ہی حودہ کو نمب فارم
(Iorm) ہو حانے کے بعد کرانہ وصول کرنے کی کوسس کی گی او اس
کوری ا کیم الکٹ (Retrospective effect) دیا ہے د سنہ ع
ہے بہ حساب (۳) رو نہ وصول دے ط دصہ کیا گا ہے اس لیے ں آئی ی
کوارٹرس کے سوال کہ اس سہ ال یہ لاکرکا نہ ڈیل دے کے متعلق حو پوچھا جا رہا
ہے اوس کا کوئی تعلق نہیں ہوسکتا

شری مخدوم محی الدین ال متعلق ہے یا غیر متعلق اس کا فیصلہ آ مل اسنکر
فرما سکیے مرال غیر متعلق کہنا ہے ؟ حس طرح سی ی ی کوار من سرکاری ملکیت
ہے بلاو نہ بھی رکا ی ملکیت ہے حاہے اوس میں ہ س ف رار رہیں یا رلد بکر
عمر رہے اگر رلد بکر عمر رہے و کرانہ ڈیل کیا جاتا ہے لیکن رمس آف رار کی کیا
بات ہے کہ اون کے ساتھ حاص سلوک کیا جاتا ہے ؟

شری بی رام کسن راؤ حاص سلوک یہی ہے کہ رانہ کرانہ ما کا گیا ہے
(۳) رو پیہ کرانہ فکس (Fix) کرکے کرانہ طلب کیا جا رہا ہے یہی
اص سلوک ہے

شری رتن لال کو لیچھہ (انو) اس اامس کی قیمت کیا ہے ؟

سری بی رام کسن راؤ وس دھانے دو مہ اب دو گا

شری جی ھنمسب راؤ ارٹ (ی) کا مہ اب نہیں پا گیا

Dr G S Melkote I have already said that the expenditure was Rs 79 754

Shri V D Deshpande Was it incurred after the Police Action ? I have got figures with me But that is much more than what the hon Minister has stated now

Dr G S Melkote Yes it was spent after the Police Action

شری وی ڈی دشپانڈے ان خرچہ میں سہ وسنگ پول (Swimming pool)
کی سوارں بلانے کے اخراجات بھی شامل ھیں

Dr G S Melkote For the upkeep of Bellavasta Palace there is an annual grant of Rs 82 500 There are certain allied buildings attached to the Palace That is also under the maintenance of the Government During October, 1949 to March 1950 we have spent 10 thousand rupees on the upkeep of the Palace and Rs 2 810 on the allied buildings

in 1950 51 we spent Rs 21 710 on the Palace and Rs 2 084 on the allied buildings in 1951 52 we spent Rs 29 121 on the Palace and on the allied buildings Rs 1 840 In 1952 53 we spent Rs 10 043 on the palace and Rs 1 611 on the allied buildings Thus the total comes to Rs 79 754 All this come within the sum allotted for maintenance *viz* Rs 82 500 per annum

شری وی ڈی دیسائی ـ علاوہ اس کے جو بلڈنگس جڑے ہوئے ہیں اول پر
کیا خرچ ہوا اور اب یہ بلڈنگس کس کے قبضہ میں ہیں ؟

Dr G S Melkote I have just now given the amounts spent on the attached buildings of Bellavista Palace

شری اماجی راؤ گوانے ـ جو حصہ کہ کیا اوس کے بدلے کرایہ وصول کیا جا رہا
ہے اوس کے متعلق کیا حکومت یہ سمجھتی ہے کہ وہ کافی ہے ؟

Dr G S Melkote Certainly

شری اماداس راؤ (بادگیر محفوظ) کیا آرمل سعر قار حضور نگر سے بھی
کرایہ لیا جاتا ہے ؟

Mr Speaker How does this question arise ?

شری مخدوم محی الدین ـ خاکسار کا کوئی گھر ہی نہیں (Laughter)

DALITH JATHIYA CONFERENCE

*216 (406) *Shri M Buchiah* Will the hon Minister for Finance be pleased to state

(*a*) Whether the Government has contributed any amount to Social Service Department for the Dalith Jathiya Conference held at Hyderabad during January 1958 ?

(*b*) If so, what is the total amount ?

Dr G S Melkote (*a*) Yes

(*b*) Rs 10 000

Mr Speaker Let us proceed to the next question

INDUSTRIAL TRUST FUND

*217 (407) *Shri Gopal Rao Ekbote* (*Chaderghat*) Will the hon Minister for Finance be pleased to state

(*a*) The total amount under the Industrial Trust Fund ?

(*b*) The amount of loans advanced so far ?

(*c*) The names of persons or concerns to whom loans have been advanced ?

(*d*) The amount of loan advanced to Nirmal Toys ?

(*e*) The amount Mrs Hydari is drawing from the account of Nirmal Toyes and why ?

Dr G S Melkote This question has been referred to me by mistake The concerned Minister will answer it

वाणिज्य अुद्योग तथा श्रम विभाग मन्री (श्री विनायकराव विद्यालकार) —

(ओ) अिंडस्ट्रियल ट्रस्ट फंड १ लाख रुपय हाली से १९५२ शुरू किया गया। और और अिंटरेस्ट लोन और शेअस डिविडण्ट मनजिंग अेजन्सी कमिशन यह सब मिलाकर १ अप्रिल १९५२ को कुल रकम ५ ३ ४६ ५२५ रुपय हुअी थी।

(बी) अब तक जो लोंस (Loans) दिये गय वह हाली में १ ७३ ९३ ७५ रुपय और कल्दार में ३३ ८७ रुपय दिय गये।

(डी) मे लोंस जिन जिन को दिय गय अुनकी लिस्ट पश देता हूं। लेकिन अुसके पहले निमल अिंडस्ट्रीज के बारे म जो खास सवाल पूछा गया ह अुसका जवाब देता हू। निर्मल टॉयिज अिंडस्ट्रीज (Nirmal Toys Industries) के लिये बिना सूद १ करोड रुपय मंजूर किय है और अुसम से अबतक २ हजार रुपये दिये गये है। बाकी रकम जरूरतके मुताबिक दी जायगी।

(श्री) मिसेस हैदरी को माहवार २५ रुपये तनख्वाह दी जाती है और १ मोटर अलाअुन्स दिया जाता ह।

(सी) अब म लिस्ट पश देता हू।

Statement showing the position of loans to Industrial Concerns as on 31 12 1952

Srl No	Name of the Company	Amount of loan advanced			Balance		
1	Bio chemical & Synthetic Products Ltd	O S Rs 8 00 000	0	0	8 00 000	0	0
	do	1 84 000	0	0	1 84 000	0	0
2	Dn Porcelain & Potteries Ltd	2 70 000	0	0	2 70 000	0	0
	do	18 000	0	0	18 000	0	0
3	Fine Hosiery Mills Ltd	8 67 101	11	0	8 70 878	0	4
4	Hyd Oil & Paint Co Ltd	75 000	0	0	75 000	0	0
5	Hyd Tanneries Ltd	5 00 000	0	0	5 00 000	0	0
6	Hyd Vegetable Prod Ltd	I G Rs 10 00 000	0	0	10 00 000	0	0

	Hy l Vegetable pro Ltd	I G Rs	5 00 000	0	0	5 00 000	0	0
7	Nl S ga Fact ry Lt l	O S R	8 18 9 8	4	0	9 8 2 8	14	0
8	I raga Tools Co po tion Ltd	I G Rs	5 00 000	0	0	2 75 000	0	0
	lo		10 00 000	0	0	10 00 000	0	0
	do		1 80 000	0	0	1 80 000	0	0
9	Tnj Clay W l I t l	O S Rs	50 000	0	0	8 000	0	0
10	Tnj Glass Worl I t l		2 00 000	0	0	2 00 000	0	0
	do		5 00 000	0	0	2 00 000	0	0
	lo		5 00 000	0	0	5 00 000	0	0
	do		5 17 000	0	0	5 7 000	0	0
11	Vij y Cardboar l Co Lt l		48 000	0	0	48 000	0	0
12	S P Oil Cloth & All l l roducts Ltd		2 00 000	0	0	2 00 000	0	0
13	Sirpu Paper Mills Ltd		110 00 000	0	0	110 00 00	0	0
14	Hy l La té l l ro l ots Lt l		1 f0 000	0	0	1 80 000	0	0
15	Hy l Asbestos Co no t P Ltd		5 00 000	0	0	5 00 000	9	0
		O S Rs	158 17 748	9	9	160 02 181	15	1
		I G Rs	81 80 000	0	0	20 55 000	0	0

سری گو پال راؤ ایکوٹے کیا ان میں سے کئی کمپنیاں ایسی ہیں جو کہ ابھی تک کوئی کام نہیں کر رہی ہیں ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार —इसमें कुछ कम्पनीज काम कर रही हैं और कुछ नहीं कर रही हैं। मसलन सिरपुर पेपर मिल्स में काम हो रहा है असबेस्टास और सिमेंट प्राडक्ट में काम हो रहा है। हैदराबाद सेरामिक्स लिमिटेड में काम नहीं हो रहा है। उनको १ लाख रुपये लोन के तौर पर दिये गये हैं। उम्मीद कि एक साल के बाद इसका काम शुरू हो जायगा। बायोकेमिकल सिंथेटिक प्रॉडक्ट्स की फैक्ट्री बंद थी। जिसकी पास मशिनरी अच्छी है। हाल ही में जिनको सद्रल गव्हर्नमेंट से सल्फा मेडिक आर्डर मिला है मुमकिन है कि इसका काम ४ ६ महीनों में शुरू हो जायेगा फाईन होजियरी बंद है प्रागा टूल्स तो बहुत अच्छी तरह काम कर रहा है। पहले तो सिर्फ छोटे छोटे औज़ार बनाने के लिये शुरू किया गया था। लेकिन अब तो बड़ी मशिनरी बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। अभी हाल ही में एक बोरिंग मशीन और मिलिंग मशीन भी बनवाया गया है और बहोत अच्छी तरह से काम चल रहा है।

سری گو پال راؤ ایکوٹے ۔ کمپنیاں کام نہیں کر رہی ہیں ان سے لون کی واپسی کا مطالبہ کیا جا رہا ہے ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार जिन कंपनीज को लोन दिया गया है उनकी प्राप्टी (Property) अस लोन से पाया है यह लोन उनकी प्राप्टी में से वसूल हो सकता है डूबन का डर नहीं है

مسری گو پال راؤ ایکوے کہ کیا گورنمنٹ کی کمپنیوں کی کو
کو ص اس بات کا پتا ہے کہ یہ لون اسی کام کے لئے استعمال ہوتا ہے جس کے لئے وہ دیا
گیا ہے ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार —उनपर जनरल निगरानी रहती है कोअी खास निगरानी नहीं रहती है

श्री रतनलाल कोठेया —स्माल अिंडस्ट्रीज को (I I F) में से कैसे लोन दिया गया।

श्री विनायकराव विद्यालंकार —यह जो लोन स्मिल ढालिंग को दिया गया है वह खास तौर तपर दिया गया है कोआपरेटिव्ह पर नहीं दिया गया है।

श्री रतनलाल कोठया —अगर कोआपरेटिव्ह सोसायटीज पर काटज अिंडस्टीज खोली जायें तो क्या दीन मिलेलोन मिलेगा ?

श्री विनायकराव विद्यालंकारर —आज तो आयटीअफ कोऑपरेटिव्ह्ज को मदत देने के लिये नहीं बल्कि मेजर अिंडस्ट्रीज को मदत देन के लिय बनाया गया है

कोऑपरेटिव्ह्ज् को अिसम से अिमदाद नहीं दी जाती है कोआपरेटिव्ह्ज् को दूसरी तरह अिमदाद दी जाती है। लेकिन अभी अभी बडी अिंडस्ट्रीज को अिमदाद देन के लिये अक फायनानसीग कारपोरेशन (Financing Corporation) तयार किया गया है। अिससे अब आयटीअफ को कम काम रहेगा तो अब अिससे कोऑपरेटिव्ह्ज् को अिमदाद मिलने के बारे में सोचा जा सकता है

مسری گوپال راؤ و اکھارسے (گلو عوط) مرکوحو (۳) لاکھ کا اس با
گیا ہے سکر کہ صد ہو ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार —तीन चार महिने होगये उनका लोन मंजूर हुआ है लेकिन अभि तक दिया नहीं गया है

مسری گوپال راؤ و اکھارسے میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ یہ رقم کتنا عرصہ ہوا ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार —यह रुपय अुन के पास हैं या अुनकी कीमत का माल अुनके पास है।

مسری مسلحس (حیدآباد سی) حیدرآباد لیبائس رے کسا قرض ما گا تھا او
کسی لم دنگی ؟

—

श्री विनायकराव विद्यालंकार —जिन्हे सात लाख रुपय मंजूर किय गय ह और तीन लाख रुपय दिय गय ह।

سری ی همس راؤ ـ کر مد هوں هں ں س ںا هوںا ؛ ه
هو ے کںا آ مل مسر س ے و ں هں ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार —फरलीचर के बारेम तो मुझसे मालूम नही है अलबत्ता जिनके प स जो ममधानरी है वह बहुत अच्छी ह

*218 (408) *Shri Gopal Rao Ekbote* Will tl e hon Minister for Commerce & Industries be pleased to state

(*a*) Wl ether any report regarding the Industrial Trust Fund has been published ?

(*b*) Whether the same has been made available to the public ?

(*c*) If not for what reasons ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार (अे) जनरल अॅडमिनिस्ट्रेशन के साथ वह रिपोर्ट रहती ह और (बी) पब्लिक वुसको देख सकती ह (सी) यह सवाल पदा नही होता

श्री गोपालराव अेकबोटे —जनरल अडमिनिस्ट्रशन के रिपोर्ट के साथ आओी टी अफ का जो हिस्सा छपा हुवा रहता ह वमही सिफ क्या आनरेबल मबरो को मिल सकता ह

श्री विनायकराव विद्यालंकार —अगले साल से म विस पर गौर करूगा

ADVISORY COMMITTEE OF INDUSTRIAL TRUST FUND

*219 (409) *Shri Gopal Rao Ekbote* Will the hon Minister for Finance be pleased to state

(*a*) The names of the Members on the Advisory Committee of the Industrial Trust Fund ?

(*b*) The number of meetings held during 1952 ?

(*c*) The number of cases in which the advice was accepted ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —

(अे) आओी टी अफ का काम चलाने के लिये ट्रस्टीज (Trustees) हैं जिनम कॉमर्स फाअीनान्स और पी डब्ल्यू डी के तीन मिनिस्टर तथा फाअीनान्स और कामर्स अिंडस्ट्रीज के दो सेक्रेटरीज ह विसके अलावा अक अेडव अीजरी बोड है जिसम चेबर ऑफ कॉमर्स की वैसी अिन्स्टीटयूशन्स के चार मेंबर्स लिये गय हैं जिनके नाम ह—राजा पन्नालाल पित्ती सी लक्ष्मीचंद करुनानी श्री जे न्ही व्यकटराव और श्री जे डी जिताक्षिया।

(बी) ऐसा मैं कहा १९५२ म कोअी मेजर स्कीम (Major Scheme) नही ली गअी थी लेकिन ि ा पुरानी अिडस्ट्रीज को लोन दिया गया था अुसी की तरफ ज्यादा ख्याल रहा। शेष नअी स्कीम िन्की थी कि फायनान्स कारपोरेशन निकाला जाय लेकिन कोअी बडी दरख्वास्त अुसम अ अी अिसीकी तरफ ज्यादा ख्याल रहा और अिस लिय कोअी मीटिंग नही बुलाअी गअी।

(सी) यह सवाल पदा नही होता।

شری وی ڈی دشپانڈے ـد ـد مرمل رب ـد کے ا ـه ے
والی ہے ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार फायनान्स कापस (Finance Corpus) को गवनमट ५ लाख रुपय देगी और ५ दूसरो की तरफ से जम होंग अुसका कापस (Corpus) यह होता ह कि जो लोग देने वाले ह और जो शअस लिय ह वे असम रहेंगे। अिस फड की जो दूसरी अक्टीविटीज (Activities) ह जसे सिमट स्कीम ह या गस प्लाट (Gas plant) की स्कीम है अुसको चलाया जाय यह भी गवनमट का ख्याल है। अभी अक मबर न सवाल किया था कि कोआपरेटिव अिडस्ट्रीज (Co operative Industries) को अिसम से कुछ हिस्सा मिलनेवाला ह या नही तो अिसकी कान्स्टीट्यूशन म थोडा बदल करके कुछ हिस्सा अिसम से देने पर विचार किया जायगा।

سری ملنا کولور (سورا پور) اڈو رری ک ی کے ـه ر مر س ه ک هس ا
المسٹر لسٹ ؟ کہ نڈ مر لسٹ کو بما مدگی دوے کے ہا ے س گ سٹ ح ہی ہے ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार —अक्सर बैंकर अिडस्ट्रियलिस्टस (Industrialists) होते ह और अिडस्ट्रिअेलिस्टस बकर होते हैं। श्री पित्ती बकर तो ह ही लेकिन अिडस्ट्रियलिस्ट भी हैं श्री छल्लानी अिडस्ट्रिअेलिस्ट ह लेकिन बकर भी कहे जा सकते ह। श्री व्यकटराव के बारे म वाकिफ नही हू। और श्री अताकिया तो बकर नही ह लेकिन अिडस्ट्रीअलिस्ट ह।

سری وی ڈی دیسپانڈے کہ گیا کہ فلاں ىک س و المسٹر لسٹ
سمجھے حے هس و فلاں ڈسٹر لسٹ هس و ىک سمجھے ها ئے س ى س ه
پوچھیا ـه ها هوں کہ کمیے ور هوے س ک ری ہے ؟

Mr Speaker —It is a matter of opinion

DELAY IN PAYMENT

*220 (808) *Shri Shirshari* Will the hon Minister for Rural Reconstruction be pleased to state

(a) Whether he is aware that the grain merchants in Adilabad market do not pay the Aditidars for the day of the bidding but they have to wait for a week or two for the payment ?

(b) If so whether the Government will take steps for ensuring the speedy payment ?

श्री बवीसिंग चव्हाण (अ) गवनम के पास असी कोभी सिकायत अब तक नही आभी

(बी) यह सवाल प ा नही होता

سری سری هری ک س نا ے س کے س کا س آں ے د ری ول کو
اے اس کی ہیں ملی ہے ؟

श्री बवीसिंग च हाण मन बताया कि असी कोभी सिकायत हमारे पास नही अ ओ ह।

شری کے و نکٹ رام راؤ (مگڈاو) د مر ل ہ ں س د
کے گلے کی کوس ں کی گی ہے ؟

श्री बेवीसिंग चव्हान —पर्याप्त करन मे बाद ही मालूम हुआ ह कि कोभी सिकायत वसूल नही हुवी।

ELECTIONS TO T A C A

*221 (897) *Shri K Venkiah (Madhira)* Will the hon Minister for Rural Reconstruction be pleased to state

(a) Whether the Government propose to hold elections to T A C A of Madhira Warangal district at Kallur instead of at Madhira in spite of the representations made by the share holders to the President and the Registrar against the above proposal ?

(b) If so whether Government will pass orders to the President to hold elections at Madhira ?

श्री बेवीसिंग चव्हाण —(अ) चू कि और भी दूसरी कोआपरेटिव्ह सोसायटियो के मेंबरो को चुन हुवे मनजिंग कमेटी म मुन्तखिब किया ह और जिसके भिन्तखाबात बाकायदा होने के लिय क्ल्स बने हुवे हैं उसके मुताबिक जो मधिरा की कोआँपरेटिव्ह सोसायटी के भिन्तेखाबात हुम ह भुसम हुकूमत को मदाखिलत की जरूरत नही है। वक्त आता ह तब वे भिन्तेखाबात कर लेते ह।

(बी) सवाल पैदा नही होता

(Share Holders) سری کے ا ال و سیهوا ل راؤ (ے) مصلہ سر ہ ل م
یہ ہ ہے ھٰذا کہ الکس س ملدہ ہیں کرے ہ ں اسے بہ لکوکو میں کہ س
رکھے کی کیا وجہ ہے ؟

श्री बेवीसिंग चव्हाण —चुनाव करन के लिय डिपाटमट की तरफ से पहले ही अक सर्क्यूलर जारी किया गया ह वहा भिलेक्शन क्यो नही हुआ जिसके बारे म कोभी सिकायत वसूल नही हुवी ह।

سری وی ڈی دسپانڈے سوال ہے کہ د ں کمس ر کرکے
طور ں کرے کی کہ و ہے کہ د ہر ہولڈرں ر ں اکس ہے ے
ں ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —यह सवाल तो अुस बाडी (Body) म सम भरा का ह।

Market Committee of Purna

*222 (154) *Shri Bhagwan Rao Boralkar* (Basmath General) Will the hon Minister for Rural Reconstruction be pleased to state

(*a*) The number of meetings held by the Market Committee of Purna in Parbhani district during 1952 53 ?

(*b*) Whether it is a fact that complaints against some merchants have not been looked into for the last three months?

(*c*) If so what action do the Government intend taking in the matter ?

(*d*) Whether the Chairman of Purna Market Committee attends every meeting in time ?

श्री देवीसिंग चव्हाण —

(अ) पूर्ण मार्केट कमेटी की कुल ९ मीटिंग्ज हुवी।

(बी) और (सी) कुछ शिकायते जिसके बारे म आवी थी। अुसम से अेक यह थी कि किसी अेक दूकान के सामने बीडिंग (Bidding) होता ह। अुसको बद कर के मार्केट आफिस के सामन बीडिंग (Bidding) करन के लिये हुक्म दिये गय थ।

(डी) कुछ अैसी भी शिकायत वसूल हुवी है कि वहा के चेअरमन वक्त पर नही आय जिसलिय कुछ मीटिंग्ज नही हो सकी।

Grain Banks

*223 (455) *Shri Bhagwan Rao Boralkar* Will the hon Minister for Rural Reconstruction be pleased to state

(*a*) The number of grain banks in Basmath and Parbhani taluqs of Parbhani district ?

(*b*) The total quantity of grain stored in the godowns of aforesaid banks during the early period of the year ?

(*c*) Whether any illegal use of the stock by some persons was detected ?

(*d*) If so the names of the persons and the action taken against them ?

श्री बर्वीसिंग चव्हाण —(अ) बस्मत तालुके म ४३ मन बक्स हृ और परभनी म ७४ हृ।

(बी) बस्मत तालुके म ५९१ प ने और परभनी तालुके म १७२ पल्ले अनाज हृ।

(सी) स्टाक्स (Stocks) मिसयूज (Misuse) होन के बारे म कोमी शिकायत नही आमी।

(डी) यह सवाल पैदा नही होता।

Palm Gur Scheme

*224 (201) *Shri M Buchiah* Will the hon Minister for Commerce and Industries be pleased to state

(*a*) The purpose of Palm Gur Scheme?

(*b*) The number of Palm gur Centres opened by the State Government under this scheme and what are their achievements so far?

(*c*) The expenditure incurred so far and the strength of staff working under this scheme?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —

(ओ) जब शक्कर महगी थी तब यह सोचा गया था कि पाम के रस से गुड निकाला जाय तो फायदा होगा और यही सोच कर अुन दिनोम यह स्कीम निकाली गयी थी।

(बी) अिसमे तीन सेटस हृ। सर्वेल निजामाबाद और पत्तनचेरू। अिन तीन जगहो पर सेटस हृ। अब तक ७५ आदमियो को पाम के रस से किस तरह बनाया जाता हृ अिसका ट्रेनिंग दिया गया हृ। और कुछ लोगो ने अुसम काम भी शुरू किया है। लेकिन अफसोस है कि बहुत से लोग अिस धधे को छोडकर अपने पुरान ताडी निकालने के धधे म फिर से लग गय हृ।

(सी) अिस स्कीम म गवनमट का ७१२९ रुपया खच हुआ हृ अिसम से आधा खच केद्रीय सरकार का है और आधा हमारा हृ।

(डी) हैदराबाद म कुल १२ लोग काम कर रहे हृ। अुनकी तनख्वाह का खच अिस तरह से हृ।

		सख्या	ग्रेड
१	पाम गुड आगनाअीजर	१	१७ ३६
२	अिन्स्ट्रक्टस	६	७५ १ ५
३	टॅपिंग अिन्स्ट्रक्टर	१	७५ १ ५
४	टाअीपिस्ट	१	६५ १५५
५	चपरासी	२	२५ ३
६	कामगार	१	२५ ३

श्री अम बुचय्या —जिस स्कीम के तहत कितना गुड तयार किया गया है ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —जिसकी जानकारी तो अभी मैं नहीं दे सकता।

श्री अम बुचय्या —क्या यह फायदेमंद साबित हुआ है ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —अभी तो यह स्कीम ऐक्सपेरिमेन्टल स्टेज में है। आपको मालूम होगा कि दो साल पहले शक्कर की स्केअरसिटी (Scarcity) सारे हिंदुस्तान में मालूम हो रही थी। अुस वक्त यह सोचा गया कि जिससे फायदा अुठाया जाय। लेकिन आज जिस तरह से शक्कर की कीमत कम होती जा रही है वसी होती रही तो मुझे भी डर मालूम होता है कि यह फायदेमंद साबित होगी या नहीं। दूसरी चीज यह है कि मद्रास और बम्बई में ताडी बंद हो गयी। और कहीं यहां पर भी कभी बंद हो जाय तो यह स्कीम अुस वक्त काम आ सकती है कि जो लोग जिसमें पडे हुओ हैं अुनको कोओी न कोओी रोजगारी दी जा सके। ये दो तीन चीजें हैं जिनके तहत यह स्कीम निकाली गयी। लेकिन आज यह यकीन के साथ नहीं कहा जा सकता कि यह फायदेमंद साबित हुओी है या नहीं। यह अभी अेक्सपेरीमेंट (Experiment) के स्टेज (Stage) में है। बहुत लोगों का ख्याल है कि ताडगुड टॉफी जसी चीजों के बनाने में दूसरे गुड से ज्यादा कारामद है। और जिस धंधे में अगर जिसका अुपयोग किया जाय तो यह जिंडस्ट्री फायदेमंद हो सकती है।

श्री अम् बुचय्या —यह स्कीम आफिशियल चलाओी जा रही है या नानआफिशियली ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —आफिशियली चलाओी जा रही है।

श्री अनंत रेड्डी — ताड गुड और गन्ने के गुड को तैयार करने कास्ट आफ प्रोडक्शन में कितना फर्क पडता है जिसको क्या वर्क औट (Work out) किया गया है ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —जिसको तो वर्क औट नहीं किया गया है। गन्ने की शक्कर निकालने के जो पुराने तरीके थे अुनमें कभी नये जिजाफात हो गये हैं। जिसमें भी अगर अुसी तरह से नये जिजाफात हुओ तो यह भी सस्ती हो सकती है। लेकिन फिलहाल यह चीज सस्ती नहीं है।

श्री अेम् बुचय्या —क्या सेंदी का अॅनालिसिस (Analysis) क्या के असके और कोओी चीज पैदा करने की कोशिश की गयी है ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —जिस वक्त नहीं की गयी है। लेकिन मुझे मालूमात है कि सेंदी से आल्कोहल निकालने की कोशिश की जा रही है। यह हमारे यहां नहीं लेकिन म्हैसूर में अेक्सपेरीमेंट हो रहा है।

श्री अेम् बुचय्या —क्या मिनिस्टर साहब जानते हैं कि सेंदी से पेनीसिलीन तयार किया जा सकता है ?

Mr Speaker Let us proceed to the next question Shri K Venkiah

INSPECTION OF WARANGAL DISTRICT

*225 (447) *Shri K Venkiah* Will the hon Minister for Commerce and Industries be pleased to state

(*a*) Whether the Inspector of Warangal district visited Madhira taluq during 1952 ?

(*b*) If so the names of the villages he visited ?

(*c*) The number of cases of keeping false weights and measures detected by him and the punishment awarded to the defaulters ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —

(अ) सब जगह दौरा करने की अुनकी ड्यूटी है और अुनका यह काम है कि साल भर में वो वक्त तालुके में अवर अुनका दौरा होना चाहिये। मधिरे के अिन्स्पेक्टर ने १९५२ के साल में दो दफा दौरा किया है अेक जून के माह में और दूसरा अक्तूबर में।

(बी) अिसके सिवा भूपाली और गरेपल्ली का दौरा किया है।

(सी) यह पहला दौरा था। अब तक हमारी पालिसी यह है कि शुरू में ही केसेस नहीं की जाती पहले लोगों को आगाह करते हैं। अुसके बाद गुनाह किया जाय तो अुसके बारेम मेजस (Measures) लेते हैं। अुनको स्टप (Stamp) करते हैं और बाद में केसेस करते हैं। अिस लिए मधिरा में अब तक कोअी केसेस नहीं हुअी है।

Further demands for Grants

Shri B Ramakrishna Rao Mr Speaker Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 8 48 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 8 48 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 1 18 28 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 1 18 28 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 42 86 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker The Motion moved

That a sum not exceeding Rs 42 86 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker These demands will be taken up for discussion on the 30th Members can table cut motions if any by the 28th

Supplementary Demands for Grants

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 4 00 000 under Supplementary Demand No 2 (Land Revenue 7) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 4 90 000 under Supplementary Demand No 2 (Land Revenue 7) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 1 99 922 under Supplementary Demand No 7 (25 General Administration) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 1 99 922 under Supplementary Demand No 7 (25 General Administration) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 10 08 000 under Supplementary Demand No 12 (54 Famine) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion Moved

That a sum not exceeding Rs 10 08 000 under Supplementary Demand No 12 (54 Famine) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 2 98 000 under Supplementary Demand No 13 (54 A Territorial and Political

Pensions) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Mr Speaker: Motion moved:

That a sum not exceeding Rs 2,98,000 under Supplementary Demand No. 18 (51-A Territorial and Political Pensions) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953. The Demand has the recommendation of the Rajpramukh.

Shri B Ramakrishna Rao: Sir, with your permission I beg to move the other three supplementary demands.

Shri V D Deshpande: I want clarification on one point. Under Demand No. 7 there is an amount of Rs 16,015 under charged account. Is not that demand going to be moved?

Shri B Ramakrishna Rao: I shall make the position clear. I have just now moved demands in respect of three items. These three items were shown in the statement of the Budget as charged items. That is payment to Jagirdars and payment to H.E.H. the Nizam in lieu of his Sarf-e-Khas. These three further demands were included in the charged items. As I submitted the other day in the House it has now been found after examination that those items cannot be included among the charged items and they should therefore be put before the Assembly as votable items for demand. That is why I put those further items as further demands before the House i.e. for the year 1952-53. Now I am repeating the same items as supplementary demands as votable items for the year 1952-53. This House will remember that in 1952-53 these items were shown as charged items and the budget was passed by the Assembly accordingly. But now when the legal position has been made clear those items that were in the budget estimates of 1952-53 shown as charged items have got to be included among votable items by way of supplementary demands and we have to forego the old items as charged items. It is only a change of charged items into votable items. Now that the legal position has been made clear it has become necessary that the Government should withdraw sanction of those items as already given by the House treating them as charged items. Now they have to be shown and are being shown as votable items and are placed before the House

for their sanction in order to regularise the procedure That is also the desire of the Accountant General because the Constitutional position having become clear he cannot allow the irregularity to proceed That is why I am moving these supplementary demands

Shri V D Deshpande Point of Information Sir I want to know whether the amount of one crore and odd under these items was paid without sanction of the House If the amount was paid and if it was not sanctioned by the House how is it that the amount was paid and how is it that the Government can seek sanction now As it now appears the amount has been spent and the House did not accord sanction to it What is the legal position and who is responsible ?

Mr Speaker It was sanctioned by the House probably under wrong impression Is it not so ?

Shri V D Deshpande No It was not put before us

Mr Speaker It was sanctioned as a charged item

Shri B Ramakrishna Rao These items were shown in the budget estimates as charged items and when those budget estimates were placed before the Assembly they were sanctioned as such But in the light of the legal position now made clear the two items have to be shown separately The expenditure does not come under charged items Last year these items were shown as charged items and the House passed the budget estimates as shown in the budget Whether it was done rightly or wrongly I need not say Perhaps an objection was raised but that objection was replied to by me I said that they had been rightly placed as charged items That is what my information was and that is how I thought myself But the subject was later on examined and it is now found that those items would not legitimately come under charged items and that they should be included as the votable items When the legal position is clear the Government as in duty bound has to ask for vote of the House on these demands and to remove them from the list of charged items We are doing it for this year by moving for further demands For the last year though the said items were sanctioned and the amounts were spent the matter has got to be regularised in order that the accounts might be quite clear That is why I withdraw them from the charged items and place them before the House for regularisation by voting them as supplementary demands It is quite in order I

have ascertained the legal position and taken legal opinion also The regularisation sought is quite in accordance with the practice

Shri V D Deshpande If these items were granted last year and if again they have to be granted now then it amounts to granting of the same items twice Unless the amount previously sanctioned is surrendered I am afraid, we cannot sanction now

Shri B Ramakrishna Rao The position is quite clear I just now said that we surrender the amount as charged item and move for the vote of the House as votable items in order to regularise

Mr Speaker Yes now the hon Chief Minister can move his demands

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 42 86 000 under Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to H E H the Nizam) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a further sum not exceeding Rs 42 86 000 under Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to H E H the Nizam) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 84 00 000 under Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to Jagirdars) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a further sum not exceeding Rs 84 00 000 under Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to

Jagudars) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri V D Deshpande The hon the Chief Minister has moved a supplementary Demand No 7 for Rs 1 09 922 There is another item of Rs 16 015 under the same Demand (26 General Administration Government House Ministers and Secretariat Establishment) The hon the Chief Minister has not moved the demand to cover this amount of Rs 16 015 I want to know whether it is a separate amount? If so has it to be moved? Or has it been included in the amount of Rs 1 09 922 for which the demand was moved?

The earlier practice has been to make it into a lumpsum and ask for the grant Now here it is shown separately Whether it is to be moved or will be moved later on I would like to know

Shri B Ramakrishna Rao Rs 16 015 is a charged item Perhaps it represents the expenditure of the Rajpramukh's peshi Secretariat etc That legitimately comes under charged account Therefore demand for the amount need not be moved That is why I have not moved a demand for that amount The two items I moved as supplementary demands for this year in order to regularise the payment

Shri V D Deshpande Before the cut motions are moved I want certain information in respect of the supplementary demands just now moved Under Supplementary Demand No 2 item 8 an amount of Rs 2 62 000 was asked for payment for land acquired some years back at Malkajgiri for Transport Lines of the British Army What that land is what the liabilities of the Government are we do not know Again under Supplementary Demand No 18 the amount was required to meet additional expenditure on account of resumption of the payment of Yeomiahs and Salianas etc This is a new item which has not been shown before We want to know what were the agreements with the jagirdars were and the liabilities of the Government under those agreements Another point in respect of which I seek information is item 1 under Supplementary Demand No 2 whereunder Rs 21 000 was asked for supplementary grant for the training expenses of probationary Tahsildars Is this a new scheme? If so we want clarification

Shri B Ramakrishna Rao I shall make an explanation If the hon Member wants more details I can give him during the discussion But so far as it is possible for me to remember I just make these points clear Under supplementary demand No 2 a supplementary grant for Rs 21 000 was asked for the expenditure incurred on the training of 20 probationary Tahsildars This amount of Rs 21 000 represents the amount spent on them It had to be met in excess of the budgetary provision That is why a supplementary demand is being asked for These 20 probationary Tahsildars were trained sometime ago This expenditure was incurred over and above the budgetary provision Hence the need for supplementary demand here Regarding item 8 under Supplementary Demand No 2 the payment had to be made only recently for the acquisition of land which was acquired some years ago for purposes of the army This land in Malkajgiri belonged to a private party and it was acquired for purposes of the army The acquisition proceedings took a considerable length of time The amount payable to the party had been decided only recently The payment was made this year and had to be made in excess of the budgetary provision That is why a sum of Rs 2 02 000 was claimed The payment of the acquisition amount was the responsibility of the State Government and it had to be discharged though the time that elapsed was regrettably long Regarding Supplementary Demand No 18 at the time of the integration of the jagirs all the assets and liabilities of the jagirdars were taken over by the Government of Hyderabad No provision was made in the budget for payment of Yeomiahs and Salianas These were payable to the holders in the ex Jagir area These claims had to be examined and there after only an approximate amount could be fixed and budgeted for This took time and it was only during 1952 53 that the amounts payable could be arrived at approximately That is why this amount has been now claimed by way of a supplementary demand The responsibility of the Government is to continue the payment Of course while passing orders the Government have taken care to see that no personal obligations of the Jagirdars have been palmed off on the Government Certain rules were framed and the rules require that these Yeomiahs and Salianas in the nature of annual allowances and payments which were made for the maintenance of certain religious and charitable institutions and which were paid from the revenue of the jagir and not from the personal income of the jagirdars should be continued till such time as the general question of payment of cash

cash grants is decided by the Government Pending that decision these payments have to be made under the responsibility taken by the Government under the agreements relating to the integration of jagirdars The expenditure having thus been incurred in excess of the budgetary provision this supplementary demand for the grant of that amount is moved

Shri V D Deshpande I want to know whether when arrangements for defence were taken over by Government of India from the Hyderabad Government at the time of integration all the assets and liabilities were also not taken over by them how is it that the Hyderabad Government has to pay the liabilities of the Defence Department ?

Shri B Ramakrishna Rao This item is entirely different I am afraid the hon Leader of the Opposition is mistaken It does not relate to Territorial and Political Pensions That item which has to be included in the Budget has a technical term— Yeomiahs and Sibanas Really speaking these are grants to religious institutions

Shri V D Deshpande I was referring to payment for land acquired at Malkajgiri Probably there is a dispute pending in a Court regarding this But when we settled our accounts with the Government of India was not this item included as a liability for the Government of India or was that liability left over to the Government of Hyderabad

Mr Speaker There are four items under Demand No 2 and one of them relates to the payment for land acquired some years back at Malkajgiri for Transport Lines of the British Army prior to accession

Shri V D Deshpande As the hon the Chief Minister has explained there was a dispute going on and the amount of compensation was not decided I only wanted for my information whether at the time of the Government of India taking over the defence establishments etc i e at the time of integration this item was not included among their liabilities

Shri B Ramakrishna Rao I shall clarify it This item could not be included in their liabilities because the land was acquired by the Government of Hyderabad and a such the compensation had to be paid by the Government of Hyderabad The matter is between the land owner whose

rights were acquued by the Hydeiabad Government and the Government of Hyderabad So far as the Government of India and Government of Hyderabad are concerned the question of liabilities and assets wa decided on a different basis altogether Certain buildings and other property belonging to the Army were given to the Defence Department of the Government of India They claimed them as a corollary to the process of integration they claimed the properties as belonging to them and the claim was admitted by the Government of Hyderabad I am not in a position to furnish all the details but as a general reply to the question I can say that probably this item as well as certain other similar items must have been taken into account while arriving at the terms and conditions of the integration of the Army I am not aware of the details as to how it has been worked out and whether this amount similar other amounts have been taken into consideration at the time of fixing the liability I am not in a position to say just now about the details but I shall go into the matter and reply to the hon leader of the Opposition in the course of my reply

Mr Speaker We shall now take up motions for reduction of supplementary demands

DEMAND No 2 —LAND REVENUE

TRAINING EXPENSES OF PROBATIONARY TAHSILDARS AND THE POLICY OF RECRUITMENT

Shri Ankushrao Ghare (Partur) I beg to move

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

PAYMENT FOR LAND ACQUIRED AT MALKAGIRI

Shri Abdul Rahman (Malakpet) I beg to move

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

DEMAND NO 7 GENERAL ADMINISTRATION GOVERNMENT HOUSE, MINISTER S & SECRETARIAT ESTABLISHMENT

INCREASED EXPENDITURE ON TYRES TUBES ETC

Shri Daji Shanker Rao (Adilabad) I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

EXTENSION IN THE PERIOD OF SHIKARGAH ESTABLISHMENT

Shri Daji Shanker Rao I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

INCREASE IN THE CONTINGENCIES OF MINISTERS

Shri J Anand Rao (Sircilla) I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

EXTENSION IN THE PERIOD OF TEMPORARY ESTABLISHMENTS IN VARIOUS SECRETARIAT DEPARTMENTS

Shri Ch Venkat Ram Rao I beg to moved :

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

ECONOMY IN THE GENERAL ADMINISTRATION

Shri K Ram R ddy (Nalgonda) I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

POLICY OF GENERAL ADMINISTRATION

Shri A Raj Reddy (Sultanabad) I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Sir I have mentioned in my original cut motion sent to the Secretary that I wish to discuss the working of the Public Service Commission but as I learnt later on the Secretary changed it into the present form saying that I cannot put the cut motion in its original form The purpose in my bringing this cut motion is to discuss the working of the Public Service Commission

Mr Speaker I doubt very much whether the hon Member can discuss that

Shri V D Deshpande Mr Speaker Sir The third item in the Order of Business given to us says Voting and discussion of Demands for Supplementary Grants I believe discount can take place regarding charged items though they may not be voted upon The cut motion moved by Shri K Ram Reddy seeks to discuss the expenditure of Rs 6 177 spent on the establishment of the Military Secretary to the Rajpramukh and the cut motion of Shri A Raj Reddy seeks to discuss the expenditure of Rs 9 843 incurred by the Public Service Commission Both these items were clubbed together under Demand No 7 They can be retained for the purpose of discussion but not for voting A reply has also to be given on this discussion

Mr Speaker These items can be discussed but the cut motions of Shri K Ram Reddy and Shri A Raj Reddy will not be put to vote

DEMAND NO 12—FAMINE

FAMINE CONDITIONS IN BHIR DISTRICT

Shri Vamanrao Deshmukh I beg to move

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

FUNDS FOR FAMINE RELIEF

Shri Sripatrao Kadam (Bhir) I beg to move

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

DEMAND NO 13 TERRITORIAL AND POLITICAL PENSIONS

Shri Annagirao Gavane (Parbhani) I beg to move

That the grant under Demand No 13 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 14 be reduced by Rs 100

DEMAND NO 2—LAND REVENUE

GULBARGA DISTRICT ADMINISTRATION

Shri Sharangouda Inamdar (Andola Javargi) I beg to move

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

DEMAND NO 12—FAMINE

FAMINE CONDITIONS IN GULBARGA DISTRICT

Shri Sharangouda Inamdar I beg to move

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Now we shall have general discussion Shri Ankush Rao Venkat Rao

Shri Ankush Rao Venkat Rao Mr Speaker Sir At the outset I would like to draw the attention of the House to the Passage in the Memorandum of Government explaining the reasons for the non acceptance of the advice of the Public Service Commission of Hyderabad which runs as follows

The Hyderabad Public Service Commission (Consultation) Regulations were laid on the table of the State Legislature in the month of July 1952 as required under Art 320 (5) of the Constitution and no modifications whether by way of repeal or amendment were made by the State Legislature

Sir even though these Regulations were placed on the table of the Legislature On a perusal of them I don t think they conform to the spirit of Art 320 (5) It is a fact that we in India though educated have got little or no experience of parliamentary Practice as such and therefore when these Regulations were placed on the table of the House we inadvertently left them out without considering them The result is that no modifications or amendments could be suggested by us on very important matters governing our administrative services So what I mean to say is that it was the bounden duty of the Government to make it quite clear to the House the importance and effects of the Regulations that were sought to be implemented But without the proper consent of the House the Regulations which have got far reaching effects on our administrative set up have been put into effect for instance a department like Road Transport yielding a good revenue to the Government has been taken out of the purview of the Public Service Commission inspite of the fact that certain appointments made therein were questioned in this House

Regarding the training expenses of probationary Tahsildars for which a supplementary demand of Rs 21 000 is sought to be granted I should like to mention that out of the 20 persons selected for the posts 18 were non mulkies and they were recommended by the Government and the Public Service Commission had to accept the advice of the Government It is surprising that only seven mulkies were recruited to those posts I should say that this policy of Government in recruiting non mulkies when sufficient mulki personnel were available in our State was the reason which made our educated

young men to agitate against the Government It has had a very bad effect and it led to much bloodshed But on this matter I would not dilate further Due to the fact that the Public Service Commission complained about the manner in which its power was curtailed some important cases had been taken out of its purview and thus the Government tried to show that even for the general lowering of our administrative efficiency the House has agreed

There have been complaints that for recruitment to the posts of Probationary Tahsildars January 1 1953 was the date originally fixed but later on in view of certain representations Government had to change that date to 1st July 1952 Why such an interesting step has been taken by the Government is a matter which requires some elucidation from the Chief Minister I would request the Chief Minister to make it clear to the House what those representations were and what need was there to change the date originally fixed There were complaints that the Government gave some concessions regarding even the date of birth In spite of the fact that the date of birth as is shown in the Matriculation certificate is different from the date of birth shown in the service book a concession has been given that birth dates can be given according to Janma Patrikas It is a well known fact that Janma Patrikas can be manufactured for the convenience of entering that Government services So I am at a loss to understand what need was there to doubt the correctness of the Matriculation certificates which I am sure truly indicate the age of a candidate There are also complaints that notwithstanding the language policy adopted by the Government the persons recruited to administrative services—as is clear from the published results of the competitive examinations do not fulfil the necessary qualifications of proficiency in regional languages

I would like to request the hon Chief Minister to elucidate the various points raise by me during the course of his reply to the debate

شری اے راج ر ڈی مسٹر اسپیکر سر ابھی ایکس معزز رکن نے ایوان کے اندر
پبلک سروس کمیشن کے بارے میں اپنے خیالات کا اظہار کیا اس کے متعلق مجھے
بھی کچھ مزید عرض کرنا ہے

پبلک سروس کمیشن نے بڑی محنت کے ساتھ گزشتہ سال جو کچھ کیا اوسکے متعلق
باضابطہ کارروائی ہوئی لیکن بد قسمتی ہے کہ ایوان جو کہ بااختیار تھا اس لیے

باوجود مواد ہمارے سامنے رکھے جانے کے اس پر غور نہ ہوسکا۔ پبلک سروس کمیشن کی رپورٹ پڑھنے کے بعد یہی معلوم ہوا کہ پبلک سروس کمیشن کے کنسلٹیشن ریگولیشنز (Consultation Regulations) بنائے بھی گئے اور اس ایوان کے سامنے رکھے بھی گئے اور یہ تصور کرلیا گیا کہ ایوان نے اس کی منظوری دیدی حالانکہ اس کا سہارا لیکر پبلک سروس کمیشن (جو کہ دستوری تخلیق ہے) کے دائرہ عمل میں اور ان کے اختیارات میں دست اندازی بھی کی گئی۔ یہی چیز صاف طور پر اس رپورٹ سے ظاہر ہورہی ہے لیکن افسوس یہ ہے کہ اس کی منظوری ہم بروقت نہ دے سکے۔ دستور کی دفعہ (۳۲) کی رو سے اس ریگولیشنز کے تعلق سے اس میں کمی بیشی اور ترمیم کرنے کا جو اختیار ہم کو دیا گیا تھا اوس سے ہم نے بروقت استعمال نہیں کیا۔ میں اس کو مانتا ہوں نہ صرف مانتا ہوں بلکہ یہ بھی کہتا ہوں کہ ہمارے جو فرائض تھے اس سے ہم بروقت عہدہ برآ نہ ہونے کی وجہ سے پبلک سروس کمیشن کو کافی پریشانی اور تکلیف اٹھانی پڑی۔ حالانکہ یہ امر اوس رپورٹ سے ظاہر ہے میں کم از کم اپنی جانب سے معزز اراکین کمیشن سے معذرت خواہ ہونگا کہ ہم نے صحیح طور پر اور بروقت ان چیزوں کی طرف کوئی توجہ نہیں کی۔ لیکن مجھے اس کا بھی یقین ہے کہ پبلک سروس کمیشن کے دائرہ عمل کے اندر اور ان کے اختیارات کے اندر غلط سلط طریقہ پر دست اندازی کے لیے محض چند ٹیکنیکل اور لنگ عذرات کی بنا پر ریگولیشنز بنائے بھی گئے پیش بھی کیے گئے اور اسکی منظوری بھی حاصل کرلی گئی۔ یہ رپورٹ جو ہمارے سامنے پیش کی گئی میں نے یہ رپورٹ اور اس کا سرکاری جواب دونوں کا تفصیلی طور پر مطالعہ کیا۔ مطالعہ کرنے کے بعد میری یہ غور کردہ رائے ہے کہ اس سلسلہ میں حکومت کی جانب سے جو جواب دیا گیا ہے اسکی بنیاد صرف اس امر پر ہے جس کا ذکر ابھی کیا گیا کہ ان ریگولیشنز کی ایوان نے منظوری دیدی ہے۔ حالانکہ مجھے یہ بھی اچھی طرح یاد نہیں کہ آیا حکومت نے وہ ریگولیشنز ایوان میں پیش بھی کیے یا نہیں۔ وہ کاغذ کا پرزہ ہمارے کاغذات میں ڈھونڈنے سے بھی نہ مل سکا۔ میرے کہنے کا منشا یہ ہے کہ ہوسکتا ہے کہ ہم سے ہی تساہل ہوا ہو لیکن ایسی صورت میں جبکہ یہ ایوان ان چیزوں سے واقف نہیں تھا معزز جنرل سکریٹری کا یہ فرض تھا کہ وہ اس کو انٹروڈیوس (Introduce) کرتے ہوئے یہ بتاتے کہ اس سلسلہ میں ہمارے کیا فرائض ہیں۔ یہ ریگولیشنز کیوں بنائے گئے ہیں۔ کم از کم فارملی (Formally) ہی اس کا ذکر کردیا گیا ہوتا۔ یہ نہیں کہ خالی لاکر پیش کردیا۔ پہلے یہ مثل تھی کہ الخاموشی نیم رضامندی۔ لیکن یہاں تو خاموشی کے معنے پوری رضامندی کے لیے جارہے ہیں۔ دستور کے صرف لیٹر (Letter) ہی کو نہ دیکھنا چاہیے بلکہ جیسا کہ ہمارے دوست نے کہا اوس کی اسپرٹ پر بھی غور کرنا چاہیے کہ اوس کا مقصد کیا ہے۔ اوسکی غایت کیا ہے۔ ورنہ صرف ایوان میں پیش کرنے سے کیا ہوتا ہے۔ پبلک سروس کمیشن کی رپورٹ اس کا سرکاری جواب ہے

اوس سے یہ معلوم ہوتا ہے کہ وہ جواب بالکل ایک سرسری طریقہ سے دیا گیا ہے کہ ایک دفعہ ریگولیشن بنوانے میں بس ہوگئے لیکن وہاں کوئی ترمیم نہیں ہوئی گورنمنٹ نے اس کے متعلق کچھ مزید غور کرنے کی ضرورت نہیں سمجھی لیکن اونرا مہربانی سے کچھ صراحت کی گئی ہے میں اس صراحت کی تفصیل میں جانا نہیں چاہتا لیکن یہ ضرور کہونگا کہ محض عذرات لنگ اور بیکسکل عذر کیا گیا ہے صحیح راستہ عمل سے اور صحیح طریقہ کار سے ہٹنے کی جو کوشش کی گئی وہ صحیح نہیں ہے اس ایوان کے معزز اراکین میں سے ہر رکن کو اس کا تجربہ ہے کہ یہ جو بیوروکریٹک مشینری (Bureaucratic Machinery) ہے اس کے متعلق سے ایک زمانے سے ایک دستور چلی آرہی ہے اور ایک خاص ماحول کے تحت چلی آرہی ہے اس کے اندر جو نیپوٹزم (Nepotism) تھا اور جو بھی پرانی باتیں وہ آج بھی جوں کی توں ہیں غیر معمولی طور پر ایسے احساسات سے کام لیکر سروس میں کسی کے بجا حقوق کی طرف داری کرنا ایک خاص رویہ کے ایسوکرافر کو ایک بہت بڑا آفیسر بنا دینا جو حکومت کے ایسی ہاتھ کا کھیل ہے یہ طریقہ آج تک بھی چلا آرہا ہے لیکن جو پبلک سروس کمیشن ایسی باتیں ابھی نہیں کرسکتی اگر آپ ملاحظہ فرمائیں تو معلوم ہوگا کہ آج بھی پبلک سروس کمیشن کے کاروبار میں سہولت نہیں پہنچائی جاتی اون کو معلومات مہیا نہیں کی جاتی جو کیسیس ریفر کرنا چاہیے نہیں کیے جاتے اپیل وغیرہ میں جہاں پبلک سروس کمیشن کا مشورہ لینا جانا ضروری ہوتا وہاں ایسے مشورہ نہیں لیے جاتے اور جو ضروری مواد دیا جانا چاہیے وہ بھی بر وقت نہیں دیا جاتا جو ریفرنس کیا جاتا ہے وہ بھی ایسے غیر معمولی توانین کے تحت و دستور کے بھی خلاف ہیں آفیسرس کی افیشنسی (Efficiency) نہ ہونے کے باوجود ایسے کیسیس (Cases) واپس لے لیے جاتے ہیں جو مشورہ پبلک سروس کمیشن سے دیا جاتا ہے وہ منظور بھی ہوتا ہے یا نہیں اس کا پتہ بھی نہیں چل سکتا ایجنسی کی باتیں جو کی جاتی ہیں لیکن کمیشن کے کاروبار میں سہولت پہنچانے بروقت مواد دینے اور اوسکی ہمت افزائی کرنے کی کوشش نہیں کی جاتی دستور کے تحت ایک کمیشن تو بٹھا دیا گیا ہے لیکن اوس کو اس کا موقع نہیں دیا جاتا کہ وہ اپنے اختیارات کام میں لائے رپورٹ میں ایسی تفصیلات اور اونکی تفصیلات دیگئی ہیں جن کے دیکھنے سے کوئی شبہ باقی نہیں رہتا ہے کہ کس طرح غلط عمل کیا جارہا ہے مجھے معتمدین اور صدور محکمہ جات کے عادات کے متعلق کوئی شبہ باقی نہیں رہا کہ وہ اسی طرح پبلک سروس کمیشن کے کاموں میں روڑے اٹکاتے رہینگے جب تک اون کے خلاف سخت سے سخت ایکشن (Action) نہ لیا جائے گا وہ اسی طرح کرتے ہی رہینگے مجھے افسوس تو اس امر کا ہے کہ آج کی حکومت عوامی حکومت کہلائی جاتی ہے لیکن اس کمیشن کے لیے جو سہولتیں دیجانی چاہئیں جس طرح کیسیس کو کھلے طور پر ریفر (Refer) کیا جانا چاہیے نہیں کیا جاتا بلکہ ان عوامی اصولوں سے ہٹ کر بیوروکریٹک مشینری کے رجحانات کی پابندی کرتے ہوئے ایک

ریگولر بنا دیا گیا ہے اس رپورٹ کے انڈکس (جے) میں در ہدایات بنائے گئے ہیں
جن میں پبلک سروس کمیشن کے مشورہ پر عمل نہ ہونے پر حکومت میں دخل انداز ہونے کی
کوشش کی گئی ہے ایک طرف آر ۔ پی ۔ ڈی کو پبلک سروس کمیشن کے اختیارات سے
نکال لیا گیا اس سال کے کنٹراکٹ (Contract) کا جو طریقہ تھا اوس
کو بھی نکال لیا گیا سینئر پوسٹ وغیرہ کے معاملہ کو بھی لے لیا گیا اور کئی
ایسے کیٹیگوریز (Categories) ہیں جن کو نکال لیا گیا گویا ایک ایک
کرکے ساری چیزوں کو کمیشن سے نکال لیا جا رہا ہے اپیلس (Appeals)
کے متعلق بھی یہ کہ رپورٹ میں لکھا گیا اور کوئی وجہ نہیں کہ اس رپورٹ کو غلط
باور کیا جائے کوئی کانسٹیٹیوشنل ایڈوائس (Constitutional Advice)
نہیں لیا جاتا ایک طرف تو عذر کیا جاتا ہے کہ آر ۔ پی ۔ ڈی آئندہ کارپوریشن بن
جانے والا ہے اس لئے کمیشن کا اس کے متعلق اختیار باقی نہیں رہیگا لیکن اصل اس کے
کہ یہ صورت بن آئے کمیشن سے رفرنس بند کر دیے ہیں ایک تماشا ہو رہا ہے
آر ۔ پی ۔ ڈی میں یہ چیز بھی دیکھی جاتی ہے کہ دو بن اپائنٹمنٹ کرائے جاتے ہیں
اور پھر دوسرے کیسس (Cases) میں کمیشن سے رفر کیا جاتا ہے
جب اون کا اختیار باقی نہیں ہے تو پھر یہ چیز کیوں رکی جاتی ہے ؟ ایسی باتیں
جن سے ہمارا ایڈمنسٹریشن خراب ہو جاتا ہے اور جس کی ہیچ کی کے متعلق ہر شخص
کو شبہ ہے تو پھر حکومت جس طرح سے عمل کر رہی ہے وہ کہاں تک درست ہو سکتا ؟
آپ پہلے تو ایک ریگولیشن بناتے ہیں لیکن پھر سول سروس ریگولیشن کے کسی قاعدہ
کو بنا کر دستور کے خلاف عمل کرنے کی کوشش کرتے ہیں میں کہونگا کہ یہ
رجحان بالکل غلط ہے دستور کے تحت جو اختیارات کمیشن کو دیے گئے ہیں اوس سے
ہٹ کر گورنمنٹ کچھ نہیں کرسکتی ایفیشنسی بنانے کے لئے ایڈمنسٹریٹیو ہیڈس
(Administrative Heads) کو بعض اختیارات دینا درست ہوگا مثلاً
سب ورسوا کیجئے سر (Subversive Activities) کے متعلق جو مناسبت
سمجھیں ان کے اختیار ہیں لیکن جہاں ایسے اختیارات پبلک سروس کمیشن کو نہیں
دیے گئے مثلاً ان افیشنسی (Inefficiency) وغیرہ بلکہ انہیں گورنمنٹ
نے رکھ لیا ہے نہیں معلوم کیوں پبلک سروس کمیشن کو نداق بنا کر رکھا گیا ہے ؟
میں یہ عرض کرونگا کہ حکومت کو اس بارے میں پبلک سروس کمیشن کی ہمت افزائی
کرنی چاہیے آخر میں میں ایک چیز عرض کرونگا دو سال کی رپورٹ دیکھنے سے
گورنمنٹ کا جو رویہ معلوم ہوتا ہے اور اس تعلق سے جو اقدام اوس نے کیا ہے (ممکن
ہے کہ میری معلومات صحیح نہ ہوں) یعنی یہ ہے کہ کانگریس کے ایک بھائی کو اس
کا رکن بنا دیا گیا ہے یہ دو خبریں ایسی ہیں جو ہمارے سامنے آرہی ہیں مجھے امید
ہیکہ آئندہ سال یہ خبر بن باقی نہیں رہیگی بلکہ حتی الامکان اس کمیشن کی ہمت افزائی
کی جائیگی میں یہ بھی کہونگا کہ جو کنسلٹیشن ریگولیشنس ہیں (وہ بھی
پورے ہم کو معلوم نہیں) اوس کے متعلق بھی زیادہ غور کرنا اور دستور کی رو سے جو یہ

اس میں ترمیم و تغیر کرنا چاہیے کی جائے۔ ایسا عرض کرتے ہوئے میں معزز منسٹر صاحب
سے امید کرتا ہوں کہ وہ اس بارے میں تسلی بخش جواب دیں گے۔

The House then adjourned for recess till Half Past Five of the Clock

The House reassembled after recess at Half Past Five of the Clock

[Mr. Deputy Speaker in the Chair]

مسٹر ڈپٹی سپیکر! میرا شکریہ حکومت سے ... ٹائر اور ٹیوبوں کے لیے (۴۸ م)
روپے کا سپلیمنٹری ڈیمانڈ پیش کیا ہے۔ یہ وہ رقم ہے جو گذشتہ سال زائد خرچ کی گئی
ہے۔ میں نہیں سمجھ سکتا کہ ٹائر اور ٹیوبوں پر اتنا زائد خرچہ کیا گیا ہوگا۔ میں ایک سال
سے عوام کی موٹروں کو دیکھتا ہوں کہ ان میں نئے ٹائر رہتے ہیں۔ کبھی بھی
میں نے یہ نہیں دیکھا کہ ان کے ٹائر فلیٹ (Flat) ہوگئے ہوں۔ اس سے
پتہ چلتا ہے کہ گرووز (Grooves) گھسنے سے پہلے ہی وہ ٹائر موٹر سے
غائب ہو جاتے ہیں۔ انہیں یا انکو باہر نکال کر اس ڈپارٹمنٹ کے لوگ انہیں
فروخت کرکے ناجائز طور پر فائدہ کماتے ہیں۔ ورنہ اتنی زائد رقم اس امر پر خرچ کرنے
کی ضرورت نہیں ہے۔ میں نہیں سمجھتا۔ میں نے بھی لوگوں سے اس بارے میں دریافت کیا کہ
کتنے عرصہ میں عوام کی موٹروں کے ٹائر اور ٹیوبیں بدلے جاتے ہیں۔ عوام کے
ایک ملازم نے بتایا کہ ایک سال میں پرانے ٹائر ٹیوبیں بدل دیے جاتے ہیں۔ نئی
ایکے گرووز بھی نہیں گھستے کہ ڈھائی سو کا دوسرا ٹائر ڈال دیا جاتا ہے۔
انہوں نے کہا کہ چونکہ گاڑیوں کو اضلاع کی سڑکوں پر زیادہ پھرنا پڑتا ہے اسلیے ان
میں گھسے ہوئے ٹائر نہیں رکھ سکتے۔ میں نہیں سمجھتا کہ ایسا ہوتا ہے۔ ہمارا
ہمارا بھی تجربہ ہے کہ اگر نئے ٹائر احتیاط سے چلائے جائیں تو دو سال تک تو انہیں
کام میں لایا جاسکتا ہے۔ عوام کی گاڑیاں بھی اس لحاظ سے کم از کم ڈیڑھ سال تک
چلائی جاسکتی ہیں۔ چونکہ یہ اضلاع جاتے ہیں اسلیے ڈیڑھ سال تک تو چل سکتے ہیں۔
ایک اور بات یہ کہ جن سڑکوں پر لاریوں کے اسپرنگس ٹوٹ جاتے ہیں ویسی سڑکوں
پر عوام کی گاڑیاں لیجائے جاتے ہیں جس سے ٹائر ٹیوب خراب ہو جاتے ہیں۔ اسپرنگس
ٹوٹ جاتے ہیں اور گاڑی ستیاناس ہو جاتی ہے۔ ایسے دوروں کے واسطے میل روڈ پر
استعمال کرنے کے لیے جیپیں یا اسٹیشن ویگن زیادہ موزوں ہوتی ہے۔ اگر انہیں اس غرض
کے لیے استعمال کیا جائے تو میں سمجھتا ہوں کہ اس سے بھی اخراجات میں کمی ہوسکتی
ہے۔ لیکن اخراجات میں کمی یا گورنمنٹ کے نقصان کو نہیں دیکھا جاتا بلکہ آرام کو
دیکھا جاتا ہے۔ بڑی بڑی آرام دہ گاڑیاں چاہیئں جن میں ... سو میل پھرنے پر بھی
کوئی تکلیف نہ ہو۔ میں کہونگا کہ اس طرح اپنے آرام کی خاطر عوام کا پیسہ ضائع کرنا
قرین مصلحت نہیں ہے۔ میں یہ اپیل کرتا ہوں کہ جتنی بھی گاڑیاں ہیں جن پر ...

زیادہ خرچہ ہوتا ہے انہیں فروخت کرکے اسکی بجائے اسٹیشن واگنس خریدنا چاہیے
جو ٹورس (Tours) کے لیے زیادہ موزوں ہوتی ہیں

شکار گاہ کے بارے میں مجھے یہ کہنا ہے کہ اس پر یہ فضول خرچ کیا جا رہا
ہے کیونکہ میں نہیں جانتا کہ اس کے ملک میں جو شکار گاہیں ہوں لیکن پولیس ایکشن کے
بعد ہمارے شکار گاہوں کی یہ حالت ہے جنگلوں میں جو ہرن ہیں یہ شاید ہیں یہ
نسل ہیں انڈین یونین کی فوجیں اور پولیس انہیں مار کر لاریوں میں بھر بھر کر
لے گئے ہیں اور انہوں نے بکوائے جو ریونیو کے لیے استعمال کیا اب وہاں صرف سور
رہ گئے ہیں وہی لیے ہیں وہ لشکر کا کاروں کے کھیتوں کو برباد کرتے ہیں میں
یہ یقین کے ساتھ کہہ سکتا ہوں کہ جنگلوں میں اب ایک بھی کوئی جانور نہیں رہا

دوسری بات یہ کہ میں تو اب شکار گاہ کی کوئی خاص ضرورت بھی نہیں سمجھتا
اب یہ تو وہ رہا یہ ہے کہ وائسرائے صاحب یہاں تفریح کے لیے آئیں اور اعلیٰ حضرت
بندگان عالی انہیں شکار کے لیے شکار گاہ لیجائیں اور یہ جو کوئی ایسے گورنر یا آفیسرس
آتے ہیں تو انہیں شکار کروانا پڑتا ہے اس طرح کے آنریبل ممبرس بھی یہ کہتے ہیں
کہ عوامی راج ہے عوامی راج میں اس قسم کے چونچلے تو نہیں چل سکتے

اس محکمہ سے متعلق ایک اور بات یہ ہے کہ کوئی شخص بغیر اجازت نامہ
لیکر بھی شکار نہیں کھیلتا اگر ایسا ہوتا بھی ہے تو کم از کم میری نظر سے تو نہیں
گزرا اور پھر وہاں جانوروں کی حفاظت کا بھی کوئی سوال نہیں سمجھ میں نہیں آتا
کہ یہ (۲۲) کی زائد رقم کیسے صرف ہوتی ہے میں ان جملہ حالات کے حسب
یہ کہونگا کہ یہ رقم بیکار صرف ہوتی ہے اور اس پر جو زائد خرچ مانگا جا رہا ہے وہ
فضول خرچ ہے اسکے سوا اور کچھ نہیں میں آنریبل منسٹر سے اپیل کرتا ہوں
کہ اس قسم کی فضول خرچوں کو کالعدم کے بارے میں غور کریں

شری سری نت راؤ کدم مسٹر اسپیکر سرکٹ یونین بجٹ کے بارے میں
ہے راج پرمکھ کے اڈریس کے وقت جب اس رقم و ماہ نہ جو ہوا تھا تو اس وقت
اس ایڈریس میں گورنمنٹ کے لئے ہوئے اقدامات (Measures) کا
ذکر کرتے ہوئے آنریبل چیف منسٹر نے کہا تھا کہ حکومت اس پر دو طریقوں سے
سوچ رہی ہے ایک تو لانگ ٹرم میژرس (Long term measures)
اور دوسرے ریلیف (Relief) کے بارے میں لانگ ٹرم میژرس کے سلسلہ میں
گورنمنٹ آف انڈیا کے رام موری کمیشن کا ذکر کیا گیا جو کب پیش ہوگا معلوم نہیں

مرہٹواڑہ اور خصوصاً بیڑ و عثمان آباد میں حالات لیر پھیلی (Alternatively)
جاری ہوئے ہیں اور اس ترمیم کے وقت ہم دیکھ رہے ہیں جب کہ ایسے حالات پیدا ہوئے
ہیں اس سے پہلے نہیں سوچا جاتا تو موجودہ حالات میں جو ریلیف دیا جاتا ہے میں اس
بارے میں کچھ کہوں گا ہماری اسٹیٹ کے فیمن کمشنر نے ہر مقام کا جائزہ ہمت تک
دورہ کیا اور حیدرآباد آکر انہوں نے بجٹ کا فرمایش طلب کی

سری کے ال برسھوان راؤ مراسکر ر ماہ مر وبر ں ں
ھں حہں اعتراضات کا م اھے

مسٹر ڈپٹی اسپیکر و م د ڈسر ڈو ع (Disadvantage)
مں ر گے

سری سری ب راؤ کدم — ڈ عباں ما اوراورنگ آباد کے اضلاع کا اہوں نے
پورے کا مرس ں کرکیا مجھے تعجب اھے کہ ا ں کہ ہر تحصیلدار ڈپٹی
کلکٹر اور کلکٹر سے حاصل کیے ہوئے معلومات س کا مرس ں ں کر رہے ھیں
اس طرح وھاں کے کلاب ک ے حل ومکے ھیں اس کا اندر کیا جاسکتا ہے و ڈ ف
ریونیو سے حو انتظامات ہوئے ں اس کے فیگرس ھاوس کے ے رکھے گئے ھیں
حں سے یہ صاف ظاہر ہوتا ہے کہ حکومت کی جانب سے حو مدد کی گئی ہے وہ اکل
کم ہے

موجود حالات میں اور حکومت کے طر ں ادی ا ں ہے حکومت کہتی
ہے کہ اسکیرسی کنڈیشن (Scarcity condition) ہے حالانکہ وہاں
فیمن کنڈیشن (Famine condition) ہے اسکیرسی ا ا
(Scarcity area) میں کچھ ویجس (Wages) ں ڈ (Famine code) کے حسب
دیے جاتے ھیں یہ ویجس (۲ ۲) سال پہلے مقرر کیے گئے تھے اوس وقت حالات ں
اور موجودہ حالات میں بہت فرق ہے وس وقت کے انڈکس نمبر (Index number) ں
اور اب کے انڈکس نمبر میں بہت فرق ہو گیا ہے حو ویجس ا ں کوڈ کے حسب مقرر
کیے گئے ہے ممکن ہے کہ اوس وقت کے حالات کے لحاظ سے مناسب ں لیکن موجودہ
حالات کے حسب بہت نامناسب ھیں س لیے ں کہوں گا کہ وہ بار آئے کی جائے
ایک رو یہ مزدوری ر ر کھانی چاہیے س پر غور کیا ہے دوسری ہ ر یہ کہ ڈ
ضلع میں سول کلکٹر کے بے ملدر طلب ک کے ا ہر کیرس ک یہ حکم دیا گیا ہے
یہ کام پی ڈبلیو ڈی کی نگرانی میں کرایا جاسکتا تھا ک کیرس کے ذریعہ کرانے
میں ہوتا یہ ہے کہ وہ نفع حاصل کرتے ھیں او اس سے گورنمنٹ کا نقصان ہوتا ہے
اور یہ کہ ہر ضلع میں حو سنٹر کھولا گیا تھا و بھی ب ند ہو چکا ہے دوسری حیز یہ کہ
ڈ ضلع میں وکل و ڈ کی جانب سے حو رقم منظور کی گئی ہے وہ و ا نک ڈپارٹمنٹ
(Well Sinking Department) کی جانب سے کی جائیگی ا کس طرح
خرچ ہوگی معلوم نہیں ہوسکا سب سے زیادہ حیرت انگیز بات یہ ہے کہ پڑ ں حو
بسوور پراجکٹ ہے اس میں فیمن کمشنر کے ہاں کے مطابق ایک ہزار لوگوں کو کام
دیا جا سکا ھاور میں حو فیگرس دیے گئے اون سے بھی یہی معلوم ہوا کہ یک ہزار
مزدور کام کررہے ھیں لیکن معائنہ موقع کیا جائے تو معلوم ہوا کہ وھاں سو ڈیڑھ سو
سے زیادہ مزدور کام نہیں کررہے ھیں

ان حالات میں حو رقم دی گئی ہے وہ اتنی کم ہے اتنی قلیل ہے کہ اوس سے صرف چند
لوگوں کو زندہ رکھا جاسکتا ہے اس لیے میں کہوں گا کہ زیادہ رقم منظوری کری

جائے وہ ہم دور کی گئی ہو ویسی اسی طرح سے خرچ ہو رہی ہے اس کا
انتظام کرنا ہے کہ سب طرح سے خرچ کی جائے اسل چھورے میں اسپیشل ڈیوٹی
ڈی کی نگرانی نہیں ہے بلکہ کر کے در ہو نام کرایا جاتا ہے اس وجہ سے نقصان
ہو رہا ہے میں اس کے لیے جو رقم رکھی گئی ہے وہ ناکافی ہے میں حکومت سے اپیل
کروں گا کہ اس میں کافی اضافہ کیا جائے اور اس میں لانگ ٹرم پریوینٹیو میژرس
(Long term preventive measures) اختیار کرنا چاہیے اس کے
لیے جو رقم دی گئی ہو کافی ہے اس بارے میں اخبارات میں بھی خبریں آئی ہیں میں
آنریبل منسٹر سے اپیل کروں گا کہ رقم میں اضافہ کیا جائے اور ٹو مینی سٹریس کی
طرف حکومت زیادہ توجہ کرے

شری سری گوڑ مسٹر ڈپٹی سپیکر میں اپنے کٹ موشن کے سلسلہ میں خیالات کا
اظہار کروں گا گلبرگہ ضلع میں وہاں کی رعایا کی حالت کو سدھارنے کے لیے گورنمنٹ
نے کوئی قدم نہیں اٹھایا ہے واپس ٹیکس کے سے ہم دیکھتے آرہے ہیں کہ قحط
ہو رہی ہے ... جس کی ... پانی ... ہوئی وہاں
بیس کا معاملہ لیکن گورنمنٹ نے وہاں کا بس کر کے کے لیے
انتظامات کرنا چاہیے تھے جس کے متعلق ... اور سولاپور میں جو انتظامات
بھی گورنمنٹ کی جانب سے کیے گئے ہیں ان کے ... ہم ہمارے ان کے متعلقوں کو
دیکھتے ہیں اور منسٹر کے ... کہنا پڑتا ہے کہ ہماری گورنمنٹ نے جو ڈیمر کر کے
گورنمنٹ ہے بمبئی کے معاملہ میں کوئی کام نہیں کیا ... کی رعایا اور ...
سے ... سہولتوں سے محروم ہے ... بمبئی گورنمنٹ کے ... ہوا جات میں ...
کیے جا رہے ہیں ... کی گورنمنٹ کو بھی چاہیے تھا کہ رعایا کو ... ہم
پہنچائیں الحمد ... گی و اصل ... اول میں ... کی وجہ سے خریف کی فصل
بالکل تباہ ہو گئی ہے ... ربیع کی فصل خراب ہو گئی ہے وہاں کی رعایا
نے ہزاروں درخواستیں ... کلکٹر صاحب کو متوجہ کیا اسکے باوجود کوئی
انتظام نہیں ہوا ... کے مہینے میں ... کے لیے ... ہزار روپیہ منظور کیے گئے
اور ... کے لیے دس ہزار روپیہ کی منظوری دی گئی لیکن وہاں کے ... نے حکما
حال میں تبادلہ ہوا ہے وہ ... سے لوگوں میں تقسیم کیے ... کی حالت اچھی
نہیں اس میں سے ... سو روپیہ گرد و کو دیے گئے کیونکہ وہ انکی خوشامد کرتا ہے
انکے پیر دبانا ہے ... پل کے دو ... روپیہ دیے گئے ... پل کے دو ... روپیہ
دیے گئے اس طرح گاؤں کے بڑے بڑے لوگوں میں روپیہ تقسیم کیا گیا اس طرف کے
علاقے میں فصل خریف خراب ... گئی ہے ... کسانوں ... گئی ہے اوپر طرف کے
آنریبل منسٹر کو ہم نے وہاں کی ... دکھائی ہے ... نے وہاں کی حالت دیکھی
ہے لیکن کیا کیا جائے ... لوگوں کو ... نہیں ہے اور لوگوں کو ... خیال نہیں
ہے کہ رعایا کی تکالیف کو دور کیا جائے انکو عوام کے مشکلات کا احساس ... نہیں
ہے

Shri V D Deshpande Mr Speaker Sir I wish to point to you that the hon Minister who is in charge of the portfolio is absent continuously and I do not understand how he will be in a position to clarify the points raised in the debate Therefore I wish to convey through you to the Chief Minister and the Minister concerned that when the debate is going on their demands they are in duty bound to be present in the House so that they may be in a position to clarify the points raised

Mr Deputy Speaker Of course it is desirable that the Minister concerned should be present here but it cannot be forced

Shri V D Deshpande Mr Speaker Sir A similar instance arose in the House of the People recently and the Speaker though it was not exactly his ruling expressed that the Minister concerned should be present in the House when the particular demands were being discussed

[At this stage The Chief Minister Shri B Ramakrishna Rao entered the House and took his seat]

سری سری هری کیا همارے رولس میں ایسی کوئی پابندی ہے ؟

سری مرن گوڑہ اسی طرح در هزار روپیہ ر ر میں م کے لیے حو ے
گیے وہ م ہیں کیے گیے م ح کا کے میں و وں کے ہا ار ے ہیں
ار طرف حد ہر کی ہی گی میں لیوی ف کی گی و وں ہر مد کی گی
ہے کم ارکم وہاں حس اس کو سمجھوا دیگی ہے اکے ل ہوں ہی کیا جاتا ہر
ہر ا اس ڈیمہ کرنی کے رہے ہیں حب ی مں ا ی سوال دکھائی هیں
ں کر میں میں ها میں اور رعو کا ا ا ے حب وهاں انتظام ہوسکتا
ہے و ں کیوں نہیں ہوسکتا میں صرف طور کہونگا کہ کچھ حالات میں یہ
واں کیے میں و بہت کم میں وہاں کے حالات اور ہے ہیں ہے دس ایک و
ہے ہے رقم ہم سے کی گی ہے او ہی ہو کی گی ہے اسکی تقسیم کا انتظام
اچھا میں ہے کی وجہ سے حق رگوں کو رقم میں پہنچی ہے وا و کے
لوگ اپنا وں گھر رکر گلبرگہ و ما و تعل کر ے گیے ہیں کیوںکہ انکے جانوروں
کے لیے ڈرنک میں ہے هم دیکھتے هیں کہ عوام کی بھلائی کے لیے کروڑوں رو پہ
کی مطلوبات یہاں دکھائی هیں ا میں کام ں کو و کرنے کے ہے رہ اب ہور کیے
جاتے هیں انکی یہ ر ما کس پ صرف کیے جاتے ہیں میں معلوم نہیں ہے میں
آرمل حصہ ہے درخواست کرونگا کہ لندسا ور ہو رگی اور ورا ور کے علاقے
کی حالت بہت خراب ہے و ان کی نہیں ہے ہ ار ہیں ہے اسے وہاں کے لوگوں
کا محاصل معاف کیا جائے ا ن اصحاب کے لیے جو امداد ہوسکتی ہے کی جائے
هم و داروں کو اسکی ہدایت کی جانی چاہیے کہ و ں معلوں کا دو کریں اور حالات کی جانچ
کرکے رعایا کی پریشانی کو دور کرنے کی تدابیر اختیار کریں پہلی ا رل ہے وہاں وصولات

شروع ہونے والے ہیں اسلئے اس موقع پر معاف کا حکم دیا جانا چاہیے آج کی گورنمنٹ جب عوام کی مدد کے لیے کام نہ آئے تو آخر وہ کس وقت کے لیے ہے ؟ آخر یہ حکومت کس کے لیے ہے ؟ میں حکومت سے درخواست کرونگا کہ وہاں کے حالات کے لحاظ سے جو بھی کام ہونا ضروری ہے کیا جائے اور جو رقم وہاں امداد کے لیے منظور کی گئی ہے اوسکو ٹھیک ڈھنگ سے خرچ کرنا چاہیے

श्री अण्णाजीराव गव्हाण (परभणी) —मिस्टर स्पीकर सर आज जो सप्लीमेंटरी डिमाण्ड्स् हमारे सामने रखी गयी है और खास तौर पर डिमांड न (७) और (१३) जिनमे ज्यादा अखराजात बताये गये है। वे औसे है कि जिनके बारे मे अेक साल पहले जब कि बजट पर डिसकशन किया गया था अुस वक्त यह अेतराज किया गया था कि गोरवाला कमेटी की तहत अुन अखराजात को कम करना चाहिये और जिस बचत को डवलपिंग प्लान (Developing plan) के तहत किसी अच्छे काम के लिये खर्च करना चाहिये। गोरवाला कमेटी के रिपोर्ट में साफ तौर पर जाहीर किया गया है कि हमको गवनमेंट हाअुस और गराज रखने की जरूरत नही है और योमिया सालियाना रूसुम वगरह रखने की जरूरत नही है। जिसमे अखराजात कम किये जा सकते है। गुजिश्ता साल ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर ने योमिया सालियाना रूसुम मनसब का जिक्र करते हुअ कहा था कि अेक जॉइंट कमेटी (Joint Committee) रही है और अेक साल के अदर जिन सब चीजो को हम बद करेग। शायद जवाब मुकरर की जा देते वक्त अब चीफ मिनिस्टर साहब कहेग कि हम जिसको कम कर रहे है और आअिंदा और ज्यादा कम करने की कोशिश मे है। योमिया सालियाना रूसुम और मनसब पर जो ज्यादा अखराजात बताये गये हैं अुसके लिये चीफ मिनिस्टर साहब कहेंगे कि जागीरदारो की लायबिलिटी (Liability) के तौर पर ये अखराजात हमारे अूपर आये है। जागीरदारी खत्म हुअी अिसलिये अुनके लायबिलिटिज की जिम्मेदारी हमको अपने अूपर लेनी पडी। जब गवर्नमेंट खुद यह सोच रही थी कि सालियाना मनसब और रूसुम जिस तरह की चीजो को बद करना चाहिये तो अैसी हालत म जब कि जागीरदारो को हम अच्छा मुआवजा दे रहे है तो लायबिलिटी भी अुनके अूपर डाली जा सकती थी और बहुत आसानी के साथ कहा जा सकता था कि हम अपने अुपर यह जिम्मेदारी लेन के लिय तैयार नही है। लेकिन ऑनरेबल चीफ मिनस्टर शायद हमको बतायेंग कि अेक साथ अेकही कानून से जो कि अभी जल्द ही आनवाला है जिस तरह की सब चीजो को खत्म करने का हमने अिरादा कर लिया था अिसी लिये जागीरदारो की लायबिलिटी की जिम्मेदारी हमन ली। लेकिन मेरा यह कहना है कि जब हमारा अेक्स्चेकर (Exchequer) जिन लायबिलिटिज को नही मजूर करता था और जो अेक फुजूल खर्च है और जिसके बारे मे गोरवाला कमेटी की सिफारिशात हैं कि गवर्नमेंट जिस बात को बर्दाश्त करन के लिये तैयार नही है, जिसके बावजूद गवर्नमेंट जिन चीजो पर ज्यादा खर्च करती जा रही है लेकिन जिनका कोअी हल नही सोचती। अफसोस के साथ कहना पडता है कि शिकारगाह को अेक्सटेन्शन (Extension) देने के लिये ज्यादा अखराजात किये गये। मैं जानता हू कि हमारे मिनिस्टरो मे किसी को शिकार खेलने का शौक नही है क्योकि वे सब अहिंसक है। लेकिन अगर अुनमे से किसी को शौक है तो अुनको मैं दावत देता हू कि वे मेरे परभनी जिलाके में आयें। काफी बडे बडे सूअर पडे हैं। मेरे पास हमेशा लोगो से दरख्वास्ते आती हैं कि हमको बदूक के लायसेन्स दीजिये जगली जानवरो से बहुत तकलीफ हो रही है। लेकिन अुनको लायसेन्स नही मिलते। हर रोज

किसी न किसी जगह से रिपोर्ट आती है कि किसी की गाय मारी गयी तो किसी का बैल मारा गया। ऑनरेबल मिनिस्टर साहब जिनको शिकार का शौक हो अगर मेरे गाव में आ जायें तो अुनका शिकार का शौक भी पूरा होगा और लोगो की तकलीफ भी दूर होगी। शिकारगाह के लिये जितना रुपया फुजूल खर्च करने की जरूरत नही है। जिसमे खर्च कम करने के बजाय सप्लीमेंटरी डिमांड (Supplementary Demand) हमारे सामने पेश की जाती है तो जिसका मतलब यह है कि गवर्नमेंट अिकानामी (Economy) का ख्याल नही करती बल्कि अपने पुराने रवैये को जो कि निजामशाही में जारी था अुसको अब भी जारी रखने की कोशिश कर रही है। खास यानात शिकारगाह मनसब क्सुम गवर्नमेंट हाअुस गरज जिन सब पर जो खर्च किया जा रहा है असको देखकर मुमकिन है कि बाहर से आनेवाले लोग यह नही कहेंगे कि हमारी गवर्नमेंट फुजूल खर्च कर रही है। हमारे यहा मेहमान बनकर असेम्बली में आनेवाले और शहरो में घूमने के लिये बाहर से आनेवाले लोग शायद जिससे खुश भी होगे। लेकिन यहा की आम रियाया फुजूल खर्च है अैसी ही कहती है औ रजूसकी यह माग है कि जब हम फॅमिन रिलीफ (Famine Relief) के लिय रकम रकम मागते हैं तो हमसे कहा जाता है कि हमारी हालत को देखिये बजट को देखिये लेकिनह मारे जिस तरह अखराजात बढते रहे है और खासकर अुस हालत मे जब कि गोरवाला कमेटी की भी जिस खर्च को कम करन की सिफारिशात हैं। लेकिन गवर्नमेंट अुस पर गौर नही करती और जिस खर्च को कम करने की सिफारिशात हैं। लेकिन गवर्नमेंट अुस पर गौर नही करती और हमारे सामणन जिस तरह की सप्लीमेंटरी डिमाण्ड्स पेश करती है तो हम जिसके लिये कैसे मजूरी दे सकते हैं ?

[Mr Speaker in the Chair]

पिछले साल बजट डिसकशन के वक्त हमने काफी रेकमेंडशन्स किये थे और अुनके सिलसिले में चीफ मिनिस्टर साहब ने वादा किया था कि आपकी सूचनाओ की अनुसार हम खर्च कम करने की कोशिश कर रहे है। और आपकी बहुत सी रेकमेंडशस पर हमने अमल किया है और अेक साल बाद आप ही देखेंगे कि जिन पर अेतराज करने का मौका नही रहेगे। लेकिन अफसोस के साथ कहना पडता है कि अुन सिफारिशात पर गवर्नमेंट ने अमल नही किया है बल्कि ज्यादा खर्च करके हमारे सामने सप्लीमेंटरी डिमाण्ड्स् रखी हैं जो हम मजूरी करने के लिये अब किसी तरह तैयार नही हो सकते। क्योकि हैदराबाद की हालत अैसी है कि जहा ज्यादा खर्च किये जाने की जरूरत है वहा तो खर्च नही किया जाता लेकिन जो फुजूल चीजे हैं अुन पर ज्यादा खर्च किया जाता है। आज हैदराबाद के कभी हिस्सो मे लोग पानी के लिये तडप रहे है। जानवर पानी और चारे के लिये तडप रहे हैं। अकाल की वजह से जिन जानवरो पर काश्तकार की जिन्दगी मुनहसर होती है अनको वे छोड देते है। दूसरो को दे देते है अुनको चारा पानी नही दे सकते तो क्या करेंगे ? अुनको ज्यादा रकम देने के लिये हमारी गवर्नमेंट के पास पैसा नही है, लेकिन फुजूल खर्चो के लिये पैसा है। अैसी हालत में मै यह साफ तौर से कह देना चाहता हू कि यह हाअुस जिन डिमाण्ड को मजूर करने के लिये तैयार नहीं है।

[Mr Speaker in the Chair]

म चाहूंगा कि चीफ मिनिस्टर साहब जिस हाऊस के सामने जो प्रामिसेस (Promises) देते हू उनकी वे पाबदी करे। कम से कम आखिंदा जिस हाऊस के सामने जो प्रामिसेस करेगे उनकी पाबदी करे। जितना कह कर मं यह चाहता हू कि य सप्लीमटरी डिमाडज हाऊस मजूर मजूर न करे।

Mr Speaker I have already decided that the Demands would be put to vote at 6 30 p m I must allow at least 15 minutes to the Chief Minister

سری وی ڈی دسانلے بہلی ڈا ں کے ے ھ سری ڈیمانڈس آرہے ھیں ون کے لیے ضرب و ی کٹ موسس ں ار ر بہت جلد رو ں ھم حابیگی لہذا وجود ڈیمانڈوں کے ساحب کو مر ( ) ٹ جاری رکھے کی اجازت دیجائے تو مہ سب ھے

سری عبدالرحمن سراکٹ مدس و لاکھ اٹھ ھزار

مسٹر اسسکر مہربانی کرکے اج سٹ ں ای مرو ختم کرلیجیے

سری عبدالرحمن سسراسکر ر ں ہت مختصر ں ص کروںگا ھمارے سامنے اس وقت دو لاکھ ناسٹھ ھزار کا ڈیمانڈ ھے حکو مت اس رکسطرح رقم خرچ کریگی معلوم نہیں و عمارتیں حں پر ہ رقم خرچ ھوگی وا س ٹکس کے بعد ھمارے قبضہ ں نہیں ر ں اون مکانات ر ھمارا حق ملکیت نہں رھا ہ اون ر تصرف و قبضہ ھمارا ھے بلکہ ولیس ایکس کے بعد مرکزی حکومت نے ان عمارتوں کو حاصل کرلیا اوں وقت حکومت ہ ندرآبا اور مرکزی حکومت کے درمیان ایک معاہدہ ہوا اس معاہدہ کے لحاظ سے ھم رکھ ں مہ داری باقی ں رھی اگر اس سلسلہ ں کوئی معاوضہ کسی رقم کر کے دیا ہ تو ھماری حکومت صاف طور پر اسکو م اسس دیتی کہ اب مرکزی حکومت سے اس کا تعلق ھوگیا ھے اسلیے وہاں رجوع ھوں اس سلسلہ میں ھم کو مرکزی حکومت کی کوئی مدد دی حاصل کرنا نہیں ھے بحث کہ ھمارا موازنہ ہ ما b ھے اس کے علاوہ کئی رفاہی کام ھیں ہ تکمیل طلب ھیں ھمارے پاس او تھی بہت سے ایسے مدات ھیں جن کے لیے پیسہ خرچ کرنا ھے لیکن پیسہ کی کمی ہونے کی وجہ سے ھم اس کی تکمیل نہیں کر رھے ھیں و ہ اسکے متعلق کرنے میں ھم کو کوئی تکلیف نہیں ہوئی ایسا معلوم ہو رھا ھے کہ ہماری حکومت مرکزی حکومت کو اس بارے میں متوجہ کرنے کی ہمت نہیں کرسکتی جسکی وجہ سے ھماری قومی دولت بلا وجہ ان عمارات رحں کے متعلق ہ ھمارکر ں حق ھے نہ ں ھم اون سے استفادہ کرسکیے ھیں خرچ ھو ر ہی ھے کا ں ہ دو لاکھ ناسٹھ ھزار لوکل سلف گورنمنٹ منسٹر صاحب کو ہی دے جائے کہ و ہ ندرآبادی عوام کے لیے و چار ھزار مکانات بنادیے ایک طرف تو سی آئی ی کے جو چھوٹے چھوٹے مکانات ں اون کا کرایہ ڈبل کیا جا رھا ھے اور دوسری طرف اس طرح ھمارا پیسہ پانی میں ڈالا جا رھا ھے

دوسرے ڈیمانڈ کے متعلق یہ مجھے یہ کہنا ہے کہ پروبیشنر تحصیلداروں کے لیے
اکیس ہزار روپیہ خرچ کیے جا رہے ہیں اگرچہ کہ یہ رقم خرچ کی جانی ضروری ہے
کیونکہ ان لوگوں کو ٹریننگ دینی ضروری ہے لیکن یہ مانا جائے کہ ان اکیس ہزار
روپیوں سے جو پروبیشنر تحصیلداروں کی ٹریننگ اور الاؤنس وغیرہ کے لیے رکھے گئے ہیں
کہاں تک صحیح استفادہ کیا جا رہا ہے ان لوگوں کو تو مال کے قانون کا کچھ تجربہ
نہیں رہتا میں نے اس سے پہلے بھی مجلس مال کے کام کے معاملہ میں عرض کیا تھا اور
اب بھی عرض کرتا ہوں کہ مال کے عہدہ دار قانون داں نہ ہونے کی وجہ سے رعایا کو
آئے دن مشکلات ہو رہی ہیں اور ان میں وہ قانون نہیں ہیں جو مال کے عہدہ
داروں کے لیے ضروری ہے میں مال کے عہدہ داروں کی قانون دانی کی ایک مثال
دیتا ہوں ۔ ایک تحصیلدار صاحب ہیں جن کے ہاں عرصہ سال او
کلکٹری سے تصفیے ... کے لیے بھیجے جاتے ہیں تاکہ یہ مرافعہ ہے ایک کارروائی
کے معاملہ میں فیصلہ صادر ہوا ہے کہ مکمل تحقیقات کی جائے لیکن تحصیلدار صاحب
اوس پر غور فرماتے ہیں کہ مسل داخل دفتر کر دی جائے کیا میں چیف منسٹر صاحب
سے وجہ پوچھ سکتا ہوں کہ مکمل تحقیقات کے لیے جو مسل آئی ہے کیا اوس پر داخل
دفتر کرنے کی تجویز کرنا مناسب ہے ؟ قانون لگانداری کے تحت ذریعہ کے مولداروں کو
محفوظ لگانداری کے صداقت نامہ جاری کرنے کے احکام ہیں لیکن ان تحصیل ... میں
ایسے مولداروں کو بھی محفوظ لگانداری کے صداقت نامہ جاری ہوئے ہیں پٹہ دار اسکے
خلاف رجوع ہوا اور درخواست پیش کرتا ہے جس کے ساتھ ... کی نقل بھی
منسلک کرتا ہے اور طلبانہ وغیرہ بھی داخل کرتا ہے لیکن تحصیلدار صاحب غور کرتے
ہیں کہ مسل داخل دفتر ہو کوئی تحقیقات وغیرہ عمل میں نہیں آتی ... کہ تحصیلداروں
کو اس کا اختیار ہیں ... کہ از خود کسی غور کرے لگانداری کے صداقت کا تصفیہ
تو کمشنر کرتا ہے تحصیلدار کی ... اور کے رپورٹ کی ... ہی ہے وہ تنہا اسی
کی تجویز نہیں کرسکتا لیکن جب ایسی درخواستیں تحصیل ... ہیں میں پیش
ہوتی ہیں تو تحصیلدار صاحب ... فرماتے ہیں کہ مسل داخل دفتر ... ان کے بعد
پھر فریق درخواست پیش کرتا ہے کہ کچھ سہو ہوا ہے ... لکھتا ہے کہ
اس کارروائی میں تحقیقات ہونی چاہیے اس لیے کمشنر کے پاس درخواست بھیجی جانی چاہیے
کہ فریقین کے الموجہ تصفیہ ہوسکے لیکن تحصیلدار صاحب لکھتے ہیں کہ مسل
داخل دفتر ہو ۔ اسلیے میرا خیال ہے کہ مال کے عہدہ دار قانون داں نہ ہونے کی وجہ سے
ایسی مشکلات پیدا ہو رہی ہے مال کے معاملات میں اکثر قانون سے واسطہ ہوتا
ہے لیکن جب تک عہدہ داروں میں قانون فہمی نہ ہو تو اس وقت رعایا کو مشکلات
پیش آتی رہیں گی ۔ یہ ٹریننگ ہونی چاہیے اس لیے میں آنریبل چیف منسٹر صاحب
سے درخواست کرتا ہوں کہ مال کے عہدوں کے لیے کم از کم قانون داں اشخاص کو لیا
جانا چاہیے ۔ ہماری یونیورسٹی سے بہت سے ایل ایل بی نکل رہے ہیں اون کو لیا
جاسکتا ہے ۔ اور قانون سے صحیح طور پر استفادہ کیا جاسکتا ہے تب ہی ہم ان
مشکلات کو دور کرسکینگے

سری کٹارام ریڈی (مسٹر اسپیکر) میں نے جنرل اڈمنسٹریشن پر ریڈکشن کا موشن پیش کیا ہے۔ مجھے یہ شکایت ہے کہ حکومت کے عہدہ داروں کا رویہ درست نہیں ہے۔ جب کبھی ہماری جانب سے واقعات بیان کیے جاتے ہیں تو اون پر کوئی توجہ نہیں دیتے بلکہ جذبات میں بہہ کر جواب دے جاتے ہیں۔ یہ نہیں کیا جاتا کہ اپنی صحیح کارگزاری اعداد و معیار کے ساتھ پیش کی جائے۔

اس وقت ہاؤز کے سامنے سپلیمنٹری گرانٹس آئے ہیں میں اس معاملہ میں ہاؤز سے یہ کہونگا کہ جو بجٹ بنایا جاتا ہے اس کے لیے تقریباً ایک مہینہ صرف کیا جاتا ہے اسکے باوجود پھر سپلیمنٹری گرانٹس پیش کرنے کا مقصد کیا ہے۔ آخر کیوں ہر آئٹم پر سپلیمنٹری گرانٹس لائے جاتے ہیں۔ میں ہاؤز سے یہ کہنا چاہتا ہوں اگر حکومت اپنی افیشنسی بڑھانا چاہتی ہے اور اپنی کارکردگی میں اضافہ کرنا چاہتی ہے تو خود کو پابند بجٹ رکھنا چاہیے اور جو بجٹ اس کو دیا جاتا ہے اوس پر عمل کرنے کی کوشش کرنی چاہیے۔ آپ خود جب پابند بجٹ نہیں رہتے اور ایسی ضروریات کے لیے سپلیمنٹری گرانٹس مانگتے ہیں تو پھر معمولی لوگوں سے کیسی یہ توقع کرسکتے ہیں کہ وہ افیشنسی سے کام کرینگے؟ جب حکومت کے اعلیٰ ترین عہدہ دار اور ذمہ دار لوگ خود پابند بجٹ نہیں رہتے اور سپلیمنٹ پر سپلیمنٹ پیش کرتے ہیں تو پھر دوسرے لوگوں سے کیسے آپ توقع کرتے ہیں کہ وہ پابند بجٹ رہینگے؟ دوسری چیز یہ ہے کہ معمولی حالات سے ہٹ کر جو زیادہ خرچ کیا جاتا ہے جس کے لیے سپلیمنٹری ڈیمانڈ کی ضرورت ہوتی ہے لیکن اس کا تخمینہ بھی پیش نہیں کیا جاتا۔ میں پوچھتا ہوں کہ اب اس کا حساب کیوں نہیں بتاتے؟ کیوں اس کی رپورٹ ہم کو نہیں دیتے کہ اس سلسلہ میں اور اوس سلسلہ میں زیادہ خرچہ ان وجوہات کی بنا پر ہوا؟ ایسی کوئی صراحت آپ نہیں کرنا چاہتے پھر کیسے اسکی منظوری دیجائے؟ عام طور پر بجٹ کے جو اصول ہیں اون سے ہٹ کر اگر خرچ کیا جائے تو اس طرح کے زائد اخراجات ہونگے۔

اس سے پہلے بھی میں نے ریمارک کیا تھا کہ ہر ڈپارٹمنٹ میں کنٹنجنسی (Contingency) کے تحت رقومات حاصل کیے جاتے ہیں لیکن بجٹ میں اس کی تفصیلات نہیں رہتیں اور ہاؤز کے علم میں یہ خبر نہیں آتی کہ یہ رقم کس طرح خرچ کی جا رہی ہے۔ ان نئے گرانٹس کے مطالبہ میں کوئی تفصیلات پیش نہیں کیے گیے۔ اصل بجٹ میں بھی اسکو شریک نہیں کیا گیا۔ ایسی صورت میں کیا ہاؤز یہ خواہش نہیں کرسکتا کہ ان رقومات کے خرچ کے متعلق تفصیلات معلوم ہوں؟ اس لیے آنریبل ممبرس کو چاہیے اس طرف کے ہوں یا اوس طرف کے یہ سمجھنا ہے کہ یہ رقم کس طرح خرچ ہوگی۔ آپ عوامی حکومت کے طور پر حکومت چلانے کا دعوی تو کرتے ہیں لیکن اپنے آپ کو سدھارنا نہیں چاہتے۔ اس لیے میں حکمران پارٹی سے دریافت کرونگا کہ وہ کس بیسس (Basis) پر اس سپلیمنٹری بجٹ کو قابل منظوری قرار دیتے ہیں؟ مجھے معلوم ہے کہ اب کی مجبوری ہے جسکی وجہ سے یہ ڈیمانڈس

مطور بھی ہوجا ہینگے لیکن یہ ضرور ہی آپ کے پیش نظر رہنا چاہیے کہ جو سپلیمنٹری ڈیمانڈس آئے ہیں اون کا کیا ضرور ہونے والا ہے ۔

ضروری نمبرات کے معاملہ میں اس سے پہلے کافی سے زائد صاحب بولچکے ہیں اور ریمارکس کیے گئے ہیں ۔ ٹاپ ہیوی اڈمنسٹریشن (Top heavy Administration) چل رہا ہے غیر ضروری پوسٹ گرانٹ (Grants) کیے جا رہے ہیں اور اس پر ہزاروں روپے خرچ کیے جا رہے ہیں کیش گرانٹس (Cash grants) میں لاکھ روپیہ کم کیے گئے ہیں لیکن اس کے لیے بھی ایک رقم آپ نے رکھا گیا ہے جس کے لیے (۳۹۲۸) روپے خرچ کیے جا رہے ہیں میری سمجھ میں نہیں آتا کہ کیوں یہ کام ریونیو بورڈ کے لوگوں کے سپرد نہیں کیا گیا ہے کہ وہاں کافی آدمی کام کرتے ہیں ؟ ریونیو بورڈ میں جو لوگ کام کرتے ہیں اون کا کوئی کام تو ہمارے سامنے نہیں آتا میرا یہ کہنا ہے کہ اگر اسمبلی کے لیے پیسہ خرچ کیا جاتا ہے تو اوس کا حساب بھی ہم کو ملنا چاہیے سال گذشتہ ۲ ہزار روپیہ اس سلسلہ میں خرچ کیے گئے لیکن اوس کا حساب بھی تو پیش کیجیے آپ کہینگے کہ جب ہم حکومت چلا رہے ہیں تو ہم پر بھروسہ کیوں نہیں کیا جاتا ہم آپ پر بھروسہ تو کرتے ہیں لیکن ہم آپکو ایک مرتبہ ایسی عادت ڈالنا نہیں چاہتے میرا اس کے متعلق سخت اعتراض ہے کہ جو کچھ بھی سپلیمنٹری گرانٹس آئے ہیں اور جن غیر معمولی اخراجات کے لیے وہ چاہے جاتے ہیں اون کی وضاحت بھی ہاؤز کے سامنے پیش ہونی چاہیئں اس کے متعلق رپورٹ ہاؤز کو ملنی چاہیے کہ ان ان حالات کی وجہ سے سپلیمنٹری گرانٹس حاصل کرنا پڑا یہ مذاق نہیں ہے کہ ہر مرتبہ سپلیمنٹری گرانٹس کے نام سے دو دو ڈھائی کروڑ روپیہ حاصل کرلیے جائیں گذشتہ سال خسارہ کا بجٹ پیش کیا گیا لیکن دو کروڑ روپیہ اسی طرح حاصل کیے گئے اس کی مثال تو ایسی ہے کہ جیسے ایک کنبہ کا سرپرست اپنے مفاد کے لیے جس طرح چاہے خرچ کرلے لیکن حسابات خسارہ کے بتائے ہم تو اس کا مطلب نہیں سمجھ سکے اس لیے میں ہاؤز سے خواہش کرونگا کہ وہ گورنمنٹ سے مطالبہ کرے کہ جن غیر معمولی حالات کے تحت سپلیمنٹری گرانٹس مانگے جا رہے ہیں وہ کیا ہیں اسکی رپورٹ پیش کی جائے تاکہ آئندہ اس پر توجہ دی جاسکے ۔

شری بی رام کشن راؤ : جو کٹ موشنس سپلیمنٹری گرانٹس کے بارے میں پیش کیے گئے ہیں اون کے تعلق سے میں مختصراً جواب عرض کرنا چاہتا ہوں ریونیو تحصیلداروں کے سلسلہ میں ڈسکس کرنے کے لیے دو کٹ موشنس (Cut motion) آئے ہیں واقعہ یہ ہے کہ یہ پروبیشنر تحصیلدار اس سال رکروٹ (Recruit) نہیں کیے گئے ہیں بلکہ اس سے پہلے رکروٹ کیے ہوئے لوگ ہیں جو ان گورنمنٹ کے فارم (Form) ہونے سے پیشتر رکروٹ کیے گئے تھے جملہ ۲ تحصیلدار رکروٹ ہوئے تھے اور یہ رکروٹمنٹ پبلک سروس کمیشن کی طرف سے کیا گیا تھا اس طرح جو لوگ رکروٹ کیے جاتے ہیں انکے بارے میں قیاس کیا جاتا ہے کہ وہ کوالیفائیڈ (Qualified) ہیں

شری وی ڈی دیشپانڈے کیا آنریبل منسٹر جانتے ہیں کہ پبلک سروس کمیشن نے یہ ریمارک کیا ہے کہ ان میں سے (۴) نان ملکیز (Non mulkies) ہیں ؟

شری بی رام کرشن راؤ جو کچھ ہوا ہوا میں ملکی اور نان ملکی کی بحث نہیں کر رہا ہوں اگر وہ ایفیشنٹ (Efficient) ہوتے تو ظاہر ہے کہ پبلک سروس کمیشن انہیں نان ملکی (Non mulki) ہونے کے باوجود قبول نہ کرتا یہ لوگ پہلے سے کام کرتے آئے ہیں

شری وامن راؤ دیشمکھ کیا یہ صحیح ہے کہ ان میں سے دو مسلمان ہیں اور باقی (۸) برہمن ہیں ؟

Mr Speaker Order Order

Shri B Ramakrishna Rao I don t want to be interrupted in my speech

بہر حال پچھلی گورنمنٹ نے پبلک سروس کمیشن کے ذریعہ انکا انتخاب کیا ایک آنریبل ممبر نے کہا کہ تحصیلدار صاحب کے پاس مسل مکمل تحقیقات کے لیے بھجوائی گئی تو انہوں نے اسکو داخل دفتر کردینے کی تجویز کی ہے میں یہ کہونگا کہ ہم نے جو ٹریننگ دلوائی ہے اس میں کم از کم اسی بات کی تعلیم وہ نہیں دینگی میں ہاؤس کو وشواس دلاتا ہوں کہ ۲۰ ہزار کی رقم اسی ٹریننگ پر خرچ نہیں ہوئی ۲۰ ہزار کی جو رقم صرف ہوئی ہے وہ ان (۴) پروبیشنر تحصیلداروں کے ٹی اے اور ڈی اے پر ہے متعلق ہے یہ رقم اب اسلیے مانگی جا رہی ہے کہ پہلے اسکا کوئی پراویژن (Provision) نہیں تھا پبلک سروس کمیشن سے وہ لوگ منتخب ہوئے انہیں ٹریننگ دینا لازمی تھا ٹریننگ دینگی تو اس پر خرچ ہونا لازمی تھا اور جب خرچ کیا گیا اور اس کے لیے پراویژن نہیں تھا تو یہ سپلیمنٹری ڈیمانڈ لانا بھی لازمی ہوگیا یہ لاجک (Logic) ہے اس کے لیے ہم بالکل مجبور ہے ۲۰ ہزار کے ٹی اے بلز وغیرہ رکے ہوئے تھے جس سے ان لوگوں کو تکلیف ہو رہی تھی ایک آنریبل ممبر نے جن تحصیلدار صاحب کا ذکر کیا ممکن ہے وہ ان (۴) پروبیشنر تحصیلداروں میں سے نہ ہوں جن کے لیے یہ رقم آج مانگی جا رہی ہے ہوسکتا ہے کہ کوئی (۴) سال کا پھکڑ ہو

شری وی ڈی دیشپانڈے کیا یہ لفظ پھکڑ پارلیمنٹری ہے ؟

شری بی رام کرشن راؤ پھکڑ کا مطلب بہت ظریفانہ کار اس لحاظ سے میں نے کہا آنریبل ممبر نے جس واقعہ کا ذکر کیا مجھے اس مسل کا بیان دیں تو یہ ٹھیک

دلعہ سے مصائب ہوگی میں اس بل کو لگو کر دیکھوںگا کہ انہوں نے کس طرح
موبر کی اور الا دست عہد داروں سے ان کیوں غور نہیں کیا غرض یہ بات اسی
ہے کہ پراو رن ہونے کی وجہ سے اسکی سب ڈیمانڈ لانا پڑا

دوسری چیز یہ کہ ملکاجگری کی رقم کے بارے میں اعتراض کیا گیا ہے لیکن
یہ رقم رقوں پیش کرنا حاصل کی ہوتی ہے معاف کیجئے میں تحصیلداروں کے سلسلے
میں کچھ معلومات دینا بھول گیا پہلے اجازت لیکر ختم کیے دیتا ہوں تحصیلداروں کو
(۲) مہینے کی ٹریننگ دی جاتی ہے ۳ مہینے سروے سٹلمنٹ ٹریننگ
Revenue)۸ مہینے ریونیو ٹریننگ((Survey Settlement Training)
Training)اور ویسے ڈپارٹمنٹ میں ایک مہینے کی ٹریننگ یعنی ۸ دن
پٹواری کا کام بھی سکھلایا جاتا ہے کسی پٹواری کے حلقہ کے حساب سے پہلائے جاتے
ہیں اس طرح ایک سال کی ٹریننگ ہوتی ہے انہیں الاؤنس پروبیشنری ماہانہ (۱)
روپیہ دیا جاتا ہے سی ای اے اور ڈی اے بھی دیا جاتا ہے

ملکاجگری کی رقم کے بارے میں سنہ ۹ ع میں فرمان مبارک سرفصلور لایا
تھا یہ فرمان مدارالمہام پیشکار صاحب بمبئی السلطنت کے نام لکھا ہے آپ کی رائے
مورخہ دی قعدہ سنہ ۳۳ ہجری مطابق ۲۴ جنوری ۱ ۴ ۹ ع سے پورا اتفاق ہے
اس بارے میں سالار جنگ کے وقت جو عام طور ہوں و حال رہے یعنی معاوضہ گورنمنٹ
آف انڈیا سے ہرگز نہ لیا جائے ور ایسی رہائش جو جاگیری ہیں انکا معاوضہ خود
ہماری گورنمنٹ کی طرف سے دیے جانے کا عام اصول جو حضور عدالت نے بیان کیا ہے
مناسب ہے یہ ۴ ۹ ع کا فرمان حال حال تک جاری تھا یہ رقم انڈین آرمی
(Indian Army) کے لیے حاصل کی گئی تھی ہاؤس کو معلوم ہوناچاہیے کہ
انڈین آرمی کے لیے جو رہائش حاصل کی گئی تھیں کنٹونمنٹ ایریا (Cantonment Area
) وغیرہ ان رہائش کا معاوضہ حیدرآباد گورنمنٹ دیتی تھی انڈیا
گورنمنٹ آف انڈیا یہ معاوضہ نہیں دیتی تھی اسی کے سبب معاوضہ کا ایکٹ تھا لیکن
معاوضہ جوار معاوضہ سے نارض رہا اس نے کہا کہ یہ معاوضہ کافی نہیں ہے اس لیے
عدالت میں رجوع ہوکر ۳ لاکھ ۶۳ ہزار روپیے کی ڈگری حاصل کی اور زائد رقم
ہمیں ادا کرنا پڑا حیدرآباد آرمی انڈین آرمی میں انٹیگریٹ (Integrate
ہوتے وقت بھی جو معاہدہ ہوا اس لحاظ سے بھی یہ رقم ہمیں ادا کرنی پڑتی ہے یہ
رقم بالکل قواعد کے تحت لگتی ہے یہ ۲ لاکھ کی رقم ان پرووائڈڈ بیالنس
(Unprovided Balance)ہے جو ے ایبل (Payable) ہے

شری وی ڈی دیشپانڈے یہ معاوضہ کس شخص کو دیا جاتا ہے ؟

شری بی رام کشن راؤ یہ مسز واردھا ریڈی ملکاجگری کے جاگیردار ہیں اور
رقم (۴ ۲) اکر گئی ہے عدالت سے ڈگری ہونے کے بعد لامحالہ یہ رقم
دینا پڑتا ہے اس طرح ڈیمانڈ نمبر (۲) کی نسبت جو کٹ موشنس پیش ہوئے ہیں انکے

بارے میں یہ سمجھا جائے کہ جہاں تک ٹیریٹریز میں ہے میں نے سامنے اکری
(Satisfactory) جواب دیا ہے

ڈیمانڈ نمبر (۷) (۹۹۹۲۲) روپے کے کسٹرا ڈیمانڈ (Extra
further Demand) میں دو (Items) ہیں گورنمنٹ ہاؤس
(Government House) اور منسٹرز اینڈ سیکرٹریٹ اسٹیبلشمنٹ
(Ministers and Secretariat Establishment) کے لئے یہ ڈیمانڈ ہے
سرکار کا اور دیگر کنٹنجنسیز (Contingencies) کے بارے میں
میں عرض کر دیتا ہوں کہ ( ) ہزار روپے کا یہ ڈیمانڈ ٹائر اور ٹیوب ہے
ٹائرز اینڈ ٹیوبز کے لئے (For the purchase of tires and tubes etc) کے
بارے میں ہے اس سلسلے میں ٹائرز اینڈ ٹیوبز بہت رو یا تھا لیکن کسٹمر ریمارکس
میں کہہ دیا گیا زیادہ زور دے اور کم زور دے کی یہی وجہ ہے اس میں شک نہیں
کہ اس رقم کا زیادہ حصہ ٹائروں اور ٹیوبوں کی خریداری میں صرف ہوا وجہ یہ ہے کہ اس
گورنمنٹ کے آنے کے بعد کوئی بھی کار نہیں خریدی گئی پرانی کاروں میں سے کئی کاریں
سیکنڈ ۸ ۹ ہزار کی نکم کی گئی ۳ منسٹروں کو ۳ کاریں دو جب منسٹر کو
ایک زائد اسطرح ۱۴ کاریں دی گئیں میں کریں اب نہیں کہتا جو ہم نے بعد
میں آپ کی حاجت پر غلط نکلے وہ ممکن ہے کہ درمیان میں رہ گئے ہوں
لیکن ٹائرز اسی وقت سے گاڑیوں پر استعمال ہو رہے ہیں جبکہ گاڑیاں نئی آئی تھیں اس
طرح دو ڈھائی برس پرانے ہو گئے تھے بات یہ ہے کہ ہم ممبرز ذرا زیادہ دورے کرنے
کے عادی ہیں کچھ لوگوں کے ہاں پبلک ہماری یہ عادت اچھی ہے اور کچھ لوگوں کے
نزدیک بری ہے ہم حال دورے زیادہ ہونے کی وجہ سے ٹوٹ پھوٹ (Wear & Tear)
زیادہ ہوا ہے پرانے ٹائرز اور ٹیوبیں جو پچھلے دو سال میں ریپلیس نہیں کئے تھے
انہیں بدلنے کی ضرورت پیش آئی اس لئے ایڈیشنل (Additional) خرچہ ہوا
ہے اس میں شک نہیں کہ اینٹی سیپیشن (Anticipation) کر کے
اسکو بجٹ ایسٹیمیٹ (Budget Estimate) میں پیش کیا جاسکتا
تھا لیکن اس وقت ساید یہ کا اندازہ نہیں ہوا کہ اتنی جلد یہ ٹائرز اور ٹیوبیں ختم
ہو جائیں گے اور انہیں بدلنے ریپلیس (Replace) کرنے کی ضرورت
ہوگی اس سے بڑھکر جسٹیفیکیشن (Justfiecation) میں اس
معاملے میں آپ کے سامنے پیش نہیں کر سکتا ہوں یہی ہم نے لاکھ کے حصہ کو کم کرنے
کرنے اپنی اکانومی (Economy) کی ہے اور ہم ہر طرح اکانومی کی کوشش
کر رہے ہیں

ایک آنریبل ممبر نے کہا کہ پیپلز گورنمنٹ (Peoples Government) راج
کر رہی ہے ڈیماکریسی (Democracy) کا زمانہ ہے ڈیماکریسی
میں سرکار کا کسی قسم کے اصول جیسے ہی ہونا چاہیے انہیں کسطرح ٹالریٹ
(Tolerate) کیا جا سکتا ہے جو ہمارے اور اپوزیشن کے ممبروں کے ڈیماکریسی

کے نظریے میں فرق ہے لیکن ڈیموکریسی سرکار کا کام طرح سے (सचमुच)
ہے سمجھو میں نہیں آتا لیکن ڈیموکریسی میں بھی وائلڈ انیملز (Wild animals)
اور سینکچواری (Sanctuary) کو اہمیت دیتی ہے گورنمنٹ نے
اسلئے بھی اپنے فائیو ایئر پلان (Five Year Plan) میں سانکچوریز
(Sanctuaries) کا ہونا بہت ضروری ہے اسی پالیسی کو ڈائرکٹیو
(Directive) کے طور پر تمام اسٹیٹس میں بھیجا گیا ہے یہ
سمجھا کہ ان میں شوٹنگ سنٹرس (Shooting Centres) داخل نہیں
ہیں غلط خیال ہے اگر انہیں سمجھا جائے تو آرٹ (Art) پیلیسز (Palaces)
کلچرل انسٹیٹیوشنز (Cultural institutions) یا سب اصول
جانئے ہمارے آزاد دوستوں کے مطابق طریقے تو صرف ماضی کے ہیٹ ہو رہے اور
انکے کرنے کا سوال ہی ڈیموکریسی ہے ان تمام چیزوں اصول طرح سمجھی جا کر
ہم کرد یا جانا چاہیے یہ خیال غلط ہے ہم نے ڈیموکریسی کے جس اصول کو مانا ہے
اسی کے لحاظ سے ہم چل رہے ہیں والوڈی گورنمنٹ کے زمانے میں سرکار کا کے
ایک لاکھ ۹ ہزار کے پراویزن میں سے (۲۲) کی بچت کی گئی پہلے سرور کر
پاکپال اور راگنیدم ان میں مقامات پر کارگاہیں تھیں ان میں دو کارگاہوں کو
ڈسبانڈ (Disband) کر دیا گیا ایک سرکار کا ہاں ہے اسلئے کہ امر کے
ملازمین مخلص کے اور ہیریڈیٹری (Hereditatory) ہے جس کی کہ
ان کی گراچوئٹی (Gratuity) وغیرہ کا معاملہ ہو انہیں ڈسبانڈ نہیں کیا
جاسکتا تھا اسلئے ان کی سروسز (Services) کو ایکسٹینڈ (Extend)
کرنا پڑا اس ایکسٹینشن (Extension) کی وجہ سے زائد خرچ آیا ہے اور
اسی کی منظوری چاہی جا رہی ہے

سری بلدیو واسطہ ۔ سنہ ۱۹۲۶ع میں ورنگل سرکار کے زمانے میں کتنے
منسٹرس کہاں کہاں شکار کھیلے ہیں ؟

سری بی رام کشن راؤ ۔ ہمارے منسٹرس ان و ائلینس (Non violence)
پر عقیدہ رکھنے والے ہیں ان میں سے اکثر اور کم از کم میں اپنی حد تک یہ کہہ سکتا
ہوں کہ میں بندوق چلانا تک نہیں جانتا ہو سکتا ہے کہ سب کے سب یہ جانتے ہوں
یا کوئی صاحب جانتے ہوں

شری وی ڈی دیشپانڈے ۔ کم از کم ہوم منسٹر تو جانتے ہونگے
(Laughter) ◻

شری بی رام کشن راؤ ۔ وہ پولیٹیکل اپوزیشن (Political Opponents)
کا شکار کرنا جانتے ہیں لیکن وہ بھی بندوق سے نہیں بلکہ کاغذ اور قلم سے جس کے لیے
کسی زائد رقم کی ضرورت نہیں ہوتی ان کے ماسٹر گار (श्रास्त्रागार) کے منسٹر

(हास्य) اس طرح کے بن مانسے کہ اور بل مینڈھے اس سے پہلے ذکر کیا تھا
(Laughter) ۔

پھر میں ایک سکار کا کوک ہو (Continue) کررہا ہوں اس پر بھی میں عرض کروں گا کہ کیا دراصل اسکی ضرورت ہے بھی یا نہیں میں ہاؤس سے اپیل کروں گا کہ وائلڈ اینملس (Wild animals) کو بھی ہمارے بجٹ کا کچھ حصہ دیا جائے ۔

اب دوسری چیزوں کی بارے میں کچھ عرض کروں گا ۔ اڈیشنل کنٹنجنسیز (Additional Contingencies) کا ایک آئٹم (Item) ہے جس کے بارے میں آنریبل ممبر نے یہ اعتراض کیا ہے کہ اس کی تفصیلات نہیں دی گئی ہیں اس میں کافی حد تک ان کا اعتراض صحیح ہے میں اس کو تسلیم کرتا ہوں لیکن اس بارے میں فنانس ڈپارٹمنٹ سے گفتگو کرنے کے بعد میں کہہ سکوں گا کہ وہ کونسی چیزیں تھیں جو نہیں دی گئی ہیں میں آنریبل ممبر سے وعدہ کرتا ہوں کہ مطلوبہ تفصیلات بتا دی جائیں گی ۔ اڈیشنل کنٹنجنسیز گرانٹ (Additional Contingencies Grant) جو مانگا گیا ہے وہ کلیرینس آف آؤٹ اسٹانڈنگ بلس (Clearance of Outstanding Bill) اور اسٹانڈنگ بلس آف الکٹرسٹی چارجس اینڈ پرچیز آف ٹائپ رائٹرس اکسٹرا (Outstanding Bills of Electricity charges and purchase of Typewriters etc)

کے لیے مانگا گیا ہے چھ ہزار کے چارج آئٹم (Charge item) کی طرف بھی اشارہ کیا گیا ہے اس کے متعلق کہنا یہ ہے کہ ملٹری سکریٹری آف راج پرمکھ کا انسٹیٹیوشن (Institution) اِبالش (Abolish) ہوچکا ہے لیکن پچھلے جو چارجس (Charges) دینے کے تھے اور دیئے جانے تھے جس زمانے میں یہ اسٹابلشمنٹ (Establishment) تھا ان کے بارے میں یہ مطالبہ ہے اب جو ملٹری سکریٹری ہیں ان کا خرچہ راج پرمکھ برداشت کرتے ہیں گورنمنٹ پر نہیں اس کا بار نہیں پڑتا دوسرے یہ کہ پبلک سروس کمیشن کے متعلق ہے (۳ ۱۸) روپیہ کا چارج آئٹم (Charge Item) دیا گیا ہے وہ ایسا خرچہ ہے جس کے بارے میں کٹ موشن پیش کیے گئے ہیں ان اخراجات کا ٹوٹل (Total) جس میں چارج آئٹم بتایا گیا ہے (۲) ہزار روپیہ ہے پبلک سروس کمیشن پر ڈسکشن (Discussion) ہونا چاہیے یا نہیں یہ الگ بات ہے راج پرمکھ سے منظوری حاصل ہونے کے بعد رولس (Rules) بنائے گئے ہیں

In accordance with Clause 5 of Article 320 of the Constitution I lay on the table of the House a copy of the Hyderabad Public Service Commission (Consultation) Regulation, 1952 made by the Rajpramukh in exercise of the powers vested in him under proviso to clause 3 of Article 320 of the Constitution

اس بارے میں رولس بنے ہیں اور ان رولس کو کانسٹی ٹیوشن کے حساب سے راج پرمکھ کی منظوری حاصل ہے اور ۱۹۵۲ء کو ان کو ہاؤس کے سامنے پیش کیا ہے

CLAUSE 5 OF ART 320

All regulations made under the proviso to clause (80) by the President or the Governor or Rajpramukh of a State shall be laid for not less than fourteen days before each House of Parliament or the House or each House of the Legislature of the State as the case may be as soon as possible after they are made and shall be subject to such modifications whether by way of repeal or amendment as both Houses of Parliament or the House or both Houses of the Legislature of the State may make during the session in which they are so laid

یہ ابھی ہاؤس میں دیے ہوئے ہیں نہ ہاؤس کے ٹیبل پر رکھا ہے جو اس آرٹیکل کی رو سے لازمی کیا گیا ہے

سری اے راج ریڈی مسٹر اسپیکر نے کہا تھا کہ اس کی کاپیاں ممبروں کی جائیں لیکن آج تک اس کی کاپیاں نہیں دی گئی ہیں

شری بی رام کشن یہ سکشن رول کی جا سکتی ہے اس کی کاپیاں حاصل کر دی جائیں گی

شری وی ڈی دیسپانڈے کا بیان دیا ہو ممکن تھا کہ ہم اس میں کچھ ترمیمات پیش کرتے لیکن اس وقت ہمیں غلط فہمی میں رکھ کر یہ کہا جا رہا ہے کیونکہ ترمیمات نہیں پیش کی گئی ہیں لہذا ہمیں پبلک سروس کمیشن کو ریفر (Rofer) کرنے کی ضرورت نہیں ہے ہمارا احساس یہ ہے کہ جان بوجھ کر ایسا کیا گیا ہے تا کہ ہم کو غفلت میں رکھا جائے

سری بی رام کشن راؤ میں اس چارج (Refer) کو تسلیم کرنے کے لیے تیار نہیں ہوں کیونکہ قانون غافل کی مدد نہیں کرتا (Laughter) میں نے غفلت میں نہیں رکھا میں نے صاف طور پر صراحت کی ہے اس کے کلاز میں لکھا ہے کہ

Provided that the President as respects the All India Services and also as respects other services and posts in connection with the affairs of the Union and the Governor or Rajpramukh as the case may be as respects other services and posts in connection with the affairs of a State may make regulations specifying the matters in which either generally,

or in any particular class of case or in any particular circumstances it shall not be necessary for a Public Service Commission to be consulted

اس میں صاف الفاظ ہیں اگر وہی سیشن (Session) میں آنریبل ممبر ترمیمات لائے اور کاموں کی سکیم کی خامی ہو کاٹ دی جاتیں اور ترمیمات نہیں ہوسکتی تھیں

شری اے راج ریڈی حکم ہو دیا گیا تھا کہ کاٹ جائیں لیکن وہ نہیں دی گئیں

شری بی رام کشن راؤ آنریبل ممبر کو کہنا یہ چاہیے تھا کہ ہم بھی بھول گئے ہیں میں سمجھتا ہوں کہ اگر آنریبل ممبر یہ بھولے ہوئے اور چاہتے تو کاموں کے بارے میں یاد دہانی کرکے ترمیمات پیش کرسکتے تھے کاموں کے دینے اصرار کیا جاسکتا تھا غرض یہ کوئی ایسی چیز نہیں ہے کہ میں اس کو اہمیت دوں ٹمپریری اسٹابلشمنٹ (Temporary Establishment) کی منظوری دی گئی ہیں جس کی وجہ سے اضافہ ہوا ہے واقعہ یہ ہے کہ سپلیمنٹری منظوریاں لینی ہیں کیا کریں ضروری ہے گورنمنٹ کے کاروبار چلانے کے لیے ایسا کرنا ہی پڑتا ہے اس لیے میں آنریبل ممبر سے خواہش کروں گا کہ وہ اپنے کٹ موشن واپس لیکر سپلیمنٹری گرانٹس کو منظور کرلیں

Mr Speaker I shall now put the motions for reduction of grants to vote

DEMAND NO 2 LAND REVENUE

TRAINING EXPENSES OF PROBATIONARY TAHSILDARS AND THE POLICY OF RECRUITMENT

Shri Ankushrao Ghare Mr Speaker Sir I want my cut motion to be put to vote

Mr Speaker The question is

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100 The motion was negatived

PAYMENT FOR LAND ACQUIRED AT MALKAJGIRI

Shri Mohd Abdul Rahman I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House, withdrawn

DEMAND No 7 GENERAL ADMINISTRATION GOVT HOUSE MINISTERS & SECRETARIAT ESTABLISHMENT

Shri Daji Shankar Rao I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

EXTENSION IN THE PERIOD OF SHIKARGAH ESTT

Shri Daji Shankar Rao I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

INCREASE IN THE CONTINGENCIES OF MINISTERS

Shri J Anand Rao Mr Speaker Sir I want my cut motion to be put to vote

Mr Speaker The question is

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

The motion was negatived

EXTENSION IN THE PERIOD OF TEMPORARY ESTABLISHMENTS IN VARIOUS SECRETARIAT DEPARTMENTS

Mr Speaker Since Shri Ch Venkataram Rao is not present in the House I shall put his cut motion to vote The question is

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

The motion was negatived

DEMAND No 12—FAMINE

FAMINE CONDITIONS IN BHIR DISTRICT

श्री वामनराव देशमुख – स्पीकर सर मला बोलायला वेळ दिला गेला नाही मला वाटत होते की फक्त चारा पाणी आणि अन्न यांचाच दुष्काळ आहे पण येथे सर वेळेचा सुद्धा दुष्काळ पडला आहे म्हणून मी माझी कटमोशन मताला टाकतो

Mr Speaker The question is

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

8

The motion was negatived

FUNDS FOR FAMINE RELIEF

Shri Sirpatrao Kadam I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

DEMAND NO 18—TERRITORIAL AND POLITICAL PENSIONS

Shri Annajirao Gavane I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

DEMAND NO 2 LAND REVENUE

GULBARGA DISTRICT ADMINISTRATION

Shri Sharangouda Inamdar I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House, withdrawn

DEMAND NO 12—FAMINE

FAMINE CONDITIONS IN GULBARGA DISTRICT

Shri Sharangouda Inamdar I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

Mr Speaker The question is

That the respective sums not exceeding the amount of of Rs 19 95 922 in respect of Further Demands Nos 2 7 12 and 18 be granted to the Rajparmukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demands have the recommendation of the Rajpramukh

The motion was adopted

As directed by Mr Speaker the motions for Supplementary demands for grants as adopted by the House are reproduced below E D

SUPPLEMENTARY DEMAND NO 2

That a sum not exceeding Rs 1 00 000 under Supplementary Demand No 2 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

SUPPLEMENTARY DEMAND NO 7

That a sum not exceeding Rs 1 [illegible] 222 under Supplementary Demand No 7 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

SUPPLEMENTARY DEMAND NO 12

That a sum not exceeding Rs 10 08 000 under Further Demand No 12 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

SUPPLEMENTARY DEMAND NO 13

That a sum not exceeding Rs 2 98 000 under Further Demand No 13 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker There are other Supplementary Demands The nature of which is practically the same as the further demands that were moved by the Chief Minister and were reserved for discussion on 30th Shall we take up these things now ?

Shri V D Deshpande The nature is not the same Last year they were charged items and we could not vote on them

Mr Speaker But the items are practically the same (Laughter)

Shri V D Deshpande But the nature is not the same

Mr Speaker I would take up these supplementary Demands which were treated as charged items last year but which have now been changed to votable items for discussion and voting on the 30th inst along with the Further Demands In the meantime if Members want to move motions for reduction of grants they may take them as stated previously

We shall now take up the other supplementary demands of the Supply Minister

(*The Minister for supply Agriculture Planning & Legislature*) *Dr Chenna Reddy* Mr Speaker Sir I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 1 08 829 under Supplementary Demand No 7 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the yeaar ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a further sum not exceeding Rs 1 08 829 under Supplementary Demand No 7 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Dr Chenna Reddy I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 21 89 956 under Supplementary Demand No 11 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a further sum not exceeding Rs 21 89 956 under Supplementary Demand No 11 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Dr Chenna Reddy I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 4 20 000 under Supplementary Demand No 14 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a further sum not exceeding Rs 4 20 000 under Supplementary Demand No 14 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker I shall now take up the motions for reduction of grants

INCREASE IN THE FOOD SUPPLY

Shri B D Deshmukh (Bhokardan General) Sir I beg to move

That the grant under Demand No 11 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 11 be reduced by Rs 100

Dr Chenna Reddy Mr Speaker Sir I would like to mention that the motion for reduction of grant is not very clear This is a question of money already spent and I am at a loss to understand what useful purpose will be served by discussing about the increase in the food subsidy at this stage

Mr Speaker Let the hon Member say what he has got to say

شری بی ڈی دیشمکھ مسٹر اسپیکر آج ہمارے سامنے فوڈ سبسڈی (Food Subsidy) کے سلسلہ میں سپلیمنٹری گرانٹ کے طور پر جو ڈیمانڈ آیا ہے اوس کے بارے میں مجھے کچھ عرض کرنا ہے اصولاً جب کوئی گرانٹ یا سبسڈی فوڈ کے سلسلہ میں دیجاتی ہے و اعتراض کا کوئی سوال پیدا نہیں ہوتا لیکن افسوس ہے کہ

ہماری گورنمنٹ نے علاج کے سلسلہ میں سپسڈی کے طور پر کروڑہا روپیہ منظور و کروایا ہے لیکن اس کے استعمال میں از حد لاپروائی اور غیر ذمہ دارانہ طریقہ پر عمل کیا ہے۔ یہ عمل آج بھی نہیں ہو رہا بلکہ شروع سے حیدرآباد کی حکومت کا یہی رویہ رہا ہے۔ سابقہ حکومت نے بھی غلہ کے کاروبار کاروباریوں کے ہاتھ میں دے کر سالانہ کئی کروڑ روپیہ کا نقصان ہوا تو حکومت نے اس نقصان کو درست کرنے کے لئے موجودہ حکومت نے بھی وقت پر کاروباریوں کے مفادات کو پیش نظر رکھنے کی کوشش کی اور عوامی بجٹ کا روپیہ اس طرح صرف کرنے کی کوشش کی جاتی ہے۔ مجھے حیرت ہوتی ہے کہ فوڈ سبسڈی کے لئے سنہ ۲ ۳ ع میں (۲۸۶) روپیہ بجٹ میں رکھے جاتے ہیں لیکن اس کا خرچ الکل غیر ذمہ دارانہ طریقہ سے کیا جاتا ہے۔ ہونا تو یہ چاہیے تھا کہ ذمہ دارانہ طریقہ پر اس کو خرچ کر کے اس کا باضابطہ حساب و کتاب اسمبلی میں پیش کیا جاتا۔ البتہ اگر اس میں تھوڑی کمی یا بیشی ہو تو اوس کو یہ ہاوز برداشت کر سکتا ہے لیکن اس ہاوز کے سامنے (۲۸۶) روپیہ بجٹ رکھا جاتا ہے کہ سنہ ۳ ع میں جبکہ (۳۸) روپیہ خرچ ہوگئے لہذا اوس کی تکمیل کے لئے یہ ضمنی مطالبہ آتا ہے۔ میں اس سلسلہ میں یہ کہوں گا کہ ہیلتھ ڈپارٹمنٹ (Health Department) کی رقم میں جو بجٹ بتائی جاتی ہے تعلیم کے لئے جو روپیہ بجٹ میں منظور ہوتا ہے وہ خرچ نہیں ہوتا۔ اگر کلچر ڈپارٹمنٹ کا بجٹ بھی خرچ نہیں ہوتا۔ سوشل سروس ڈپارٹمنٹ کے لئے جو ( ) لاکھ روپیہ رکھے جاتے ہیں وہ خرچ نہیں کیے جاتے لیکن فوڈ سبسڈی کے نام پر ہر سال جو رقم مانگی جاتی ہے اس میں دوگنا تگنا اضافہ کیا جاتا ہے۔ میں یہ کہوں گا کہ اس ہاوز کا کوئی آنریبل ممبر اس غیر ذمہ دارانہ طریقہ پر سبسڈی کے مطالبہ کو برداشت نہیں کر سکتا۔ ممکن ہے کہ آنریبل ممبر اس طرح یہ کہیں کہ دوسرے مقامات سے اضافہ سے باہر جو غلہ لایا گیا ہے اور ہمارے اس غلہ کی جو کمی ہے اس کو پورا کرنے کے لئے ہم کو اس میں اضافہ کرنا پڑ رہا ہے اس لئے یہ (۳۸ ۸) کی رقم کی منظوری چاہی جا رہی ہے۔ راج پرمکھ کے اس سال کے اڈریس میں سنہ ۲ ۳ ع میں غذائی صورت حال سے بحث کی گئی اور کہا گیا کہ فصلوں اور بارشوں کے قبل ہونے باوجود جوار باجرہ اور گیہوں کی حد تک ملک خود مکتفی ہو گیا ہے صرف چاول کی حد تک کچھ کمی ہے۔

میں آنریبل منسٹر صاحب اس ہاوز کی توجہ اس اینول رپورٹ (Annual Report) کی طرف مبذول کراؤں گا جو حیدرآباد گورنمنٹ کی جانب سے شائع کی گئی ہے۔ اس میں کہا گیا ہے اور جناب منسٹر صاحب نے پر زور طریقہ سے کہا گیا ہے کہ ہمارا ملک نہ صرف غلہ کی حد تک خود مکتفی ہو گیا ہے اور اپنی ضروریات کی تکمیل کر رہا ہے بلکہ سسٹر اسٹیٹس (Sister states) کو بھی (۸) ہزار ٹن جواری بھیجی گئی۔ میں پوچھتا ہوں اگر اس غذا کی حد تک خود مکتفی ہونا بیان کرتے ہیں تو پھر یہ زائد خرچہ کیسے ہو رہا ہے؟ دوسری چیز یہ ہے کہ سنہ ۲ ۳ ع میں حکومت کی فوڈ پالیسی کے سلسلہ میں بہت بڑی تبدیلی آئی جس کے نتیجہ کے طور پر خرچ میں کمی ہوا

لازمی تھا کیونکہ ہمارے ملک سے ایسے حیدرآباد اور سکندرآباد کے کنٹرول ختم ہو گیا اور مارکٹ کھلا ہو گیا غلہ کی سپلائی کی جو ذمہ داری حکومت پر تھی اوس سے بھی حکومت سبکدوش ہو گئی دوسری طرف عوام بھی اس ذمہ داری ڈالدی گئی کہ سستا اناج مہیا کیا جائے جیسا کہ پہلے ہوا کرتا تھا نظام ڈیل ایسا ہونے کے باوجود اس پھر (۳۸) لاکھ کا خرچ بتایا جا رہا ہے آخر وہ پیسہ کہاں گیا جب اس کا حساب میں نے معلوم کرنے کی کوشش کی اور چھان بین کی تو معلوم ہوا ہمارے سپلائی ڈپارٹمنٹ میں اندھیر نگری چوپٹ راج چل رہا ہے اسکی ایک مثال میں ہاوز کے سامنے پیش کرونگا مجھے معلوم ہوا ہے (معذرت ہے کہ میری اطلاع غلط ہو) کہ (۴) لاکھ کا جو گیہوں اس کے سپلائی کیا گیا تھا وہ ناکارہ ثابت ہوا اس طرح (۱۴) لاکھ کا نقصان ہوا ہے کیبنٹ کے سامنے بھی غالباً سپلائی منسٹر صاحب نے اس (۴) لاکھ کی بابت پرپوزل پیش کیا ہے صرف حیدرآباد کے کاروبار کے متعلق بلکہ جتنی بھی ہماری حکومتیں ہیں اون کے سلسلہ میں بھی عام طور پر یہ اعتراض کیا جاتا ہے کہ آپ کا سپلائی ڈپارٹمنٹ ایک جیسی دما دارانہ طریقہ پر عمل کرتا ہے میں ہاوز کے سامنے یہ خبر بھی رکھنا چاہتا ہوں کہ ہمارے پاس کے ٹیکس اور ڈسٹریبیوشن کے ریٹ میں کتنا بڑا تفاوت ہے میں نے اس سلسلہ میں حکومت حیدرآباد کی رپورٹ نامہ سے معلوم کرنے کی کوشش کی تو پتہ چلا کہ جاول کا ٹیکس ریٹ فی من (۸ ۱ ۲ ع) روپیہ ہے اور نہ روابرڈ ریٹ جو ۲ ۳ ع کا اضافہ شدہ ریٹ ہے (۴) روپیہ یعنی فی پلہ آٹھ روپیہ کنسومر سے زائد لیے جا رہے ہیں اور حکومت کو آٹھ روپیہ فی من بچتے ہیں جواری کے سلسلہ میں جب میں نے معلوم کرنے کی کوشش کی تو معلوم ہوا کہ جوار پروکیورمنٹ ریٹ فی من (۴) روپیہ ہے لیکن کنسومرس کو دیا جاتا ہے وہ (۸ ۱ ۲) روپیہ فی من کے حساب سے دیا جاتا ہے گویا پلہ میں سات روپیہ کا منافع مل رہا ہے جواری جوار کا پروکیورمنٹ ریٹ (Procurement Rate) فی من (۸ ۸) روپیہ ہے کنسومر کو جو دیا جاتا ہے (۲) فی من کے حساب سے اس طرح معلوم ہوتا ہے کہ غذائی کاروبار میں حکومت کو غیر معمولی منافع حاصل ہو رہا ہے ایسی ہی نہیں بلکہ جن بھاو پر جیپ گرین شاپس چلائے جاتے ہیں اور جن کے متعلق کہا جاتا ہے کہ جن کے علاقوں میں سستی دوکانات چلائی جاتی ہیں اس لیے حساوہ میں یہ دوکانات چل رہی ہیں وہاں بھی پروکیورمنٹ ریٹ (Procurement Rate) سے کم قیمت پر غلہ نہیں دیا جاتا بہت سے ہی علاقہ میں جہاں سستے غلہ کی دوکان ہے مہنگی قیمت پر جوار دیجاتی ہے حالانکہ فی پلہ آپ کو آٹھ تو روپیہ منافع ملتا ہے ایک طرف سپلائی ڈپارٹمنٹ کے اسٹابلشمنٹ کیلیے (۸) روپیہ مانگے جاتے ہیں نہ صرف بلکہ سپلیمنٹ کے طور پر بھی (۲۱) لاکھ مانگے جاتے ہیں اور دوسری طرف غلہ کے معاملہ میں جس طرح کام کیا جانا چاہیے نہیں کیا جاتا حکومت ایک طرف تو غلہ جمع کرنے اور سپلائی کرنے کی ذمہ داری سے سبکدوش بھی ہو گئی ہے اور دوسری طرف بڑے پیمانہ پر ڈیمانڈ مانگے جاتے ہیں

پھر کبھی یہ تصور کیا جائے کہ ہماری حکومت فوڈ سبسڈی کے سلسلہ میں جو سبسڈی سے روپیہ خرچ کر رہی ہے صرف ایک بات البتہ ضرور کہی جاتی ہے کہ ہم نے (۸) ہزار ٹن چاول باہر بھیجی آنریبل منسٹر انچارج نے جنرل ڈسکشن کے دوران میں کہا تھا کہ ہمارے پاس چاول کا سرپلس ہے یہ میں مانتا ہوں کہ باہر سے چاول منگوایا جا رہا ہے لیکن دانشمندی تو اس میں تھی کہ جو غلہ باہر بھیجا گیا اوس کے مبادلہ کے طور پر کنٹرول ریٹ پر چاول حاصل کرتے تا کہ غلہ یہاں خرچ کرنے کی کوشش کی جاتی اسکے برعکس یہ باہمی ملائی گئی کہ لاکھوں کا حساب بھیج کر باہر سے چاول اور گیہوں منگوایا گیا میں کہونگا کہ یہ صحیح طریقہ نہیں آنریبل منسٹر کو اس طرف توجہ کرنی چاہیے

سپلیمنٹری گرانٹ کے سلسلہ میں جو صراحت کی گئی ہے وہ یہ ہے

The thud ıtem of Rs 21 89 956 is due chiefly to the mcrease in the food losses which are now expected to Rs 2 88 57 200 as against the budget estimate of Rs 12 85 719 Out of this excess of Rs 25 71 481 Rs 4 81 525 will be met by reappropriation of savings under other minoı heads and the balance of Rs 21 89 956 is requred as a supplementary grant

تو یہ گویا تسمہ ہے ہمارے سپلائی ڈپارٹمنٹ کا یہ صرف (۲) لاکھ طلب کرتے جا رہے ہیں بلکہ (۲) لاکھ کا سیونگس میں سے مطالبہ کیا جا رہا ہے ان حالات میں میں ہاوز سے مطالبہ کرونگا کہ جو سپلیمنٹری ڈیمانڈ آرہا ہے اوس پر غور کیا جائے اور ہاوز کے سامنے جو رقم ہے اوسکی مخالفت کی جائے

شری وی ڈی دیشپانڈے میں کوئی تقریر نہیں کروں گا لیکن آنریبل منسٹر فار سپلائی سے میں یہ معلوم کرنا چاہتا ہوں کہ بجٹ کے اندر جو (۳۸) لاکھ کی رقم فوڈ سبسڈی کے لئے رکھی گئی ہے اوس کے متعلق کہیں بھی کسی رپورٹ میں تفصیلات نہیں ہیں کہ یہ (۳۸) لاکھ کی ضرورت کس وجہ سے پڑی کیا اس کی وجہ یہ ہے کہ چاول جتنی قیمت پر خریدا گیا اوس سے کم قیمت پر عوام کو فروخت ہوا جس کی وجہ سے ڈیفیسٹ (Deficit) ہو جاتی ہے پہلے یہ سبسڈی حکومت نہ دیتی تھی لیکن اب ہم یہ (۳۸) لاکھ سبسڈی دے رہے ہیں تو میں اس امر کی تفصیلات معلوم کرنا چاہتا ہوں کہ یہ رقم کیسے خرچ کی جائیگی پچھلے سال قیمتوں میں اضافہ ہوا اس کی وجہ سے اس کمی کو کیسے پورا کیا گیا اور کنٹرول کے مناسب ہونے سے جو سیونگس (Savings) ہوں وہ کیا کی گئیں اس کی تفصیلات ہاوز کے سامنے لانے ضروری ہیں آنریبل چیف منسٹر نے وعدہ کیا تھا کہ اسی اجلاس میں یہ ہوا کریں گی اور ہاوز کے اس جانب کے لوگوں نے اس واقعہ پر واک آوٹ (Walkout) بھی کیا تھا کہ تفصیلات نہیں بتلائی جاتیں اس لیے مجھے یہ کہنا ہے کہ سبسڈی کے بارے میں جو نئے آئیٹمس (New Items) رکھے گئے ہیں اون کی تفصیلات ملنی چاہیے

آخری آئٹم جو اسسٹنٹ رجسٹرار کا ہے اوس کی تفصیل بھی ہم کو ملنی چاہیے تاکہ ہم معلوم
کرسکیں کہ کس چیز کی وجہ سے خسارہ اور نقصان ہوا یا کسی آمدنی میں کمی ہوئی
اگر اس قسم کی تفصیلات نہ دی جاسکیں تو میں نہیں سمجھتا کہ ریزولیوشن منظور ہو جائے
اس سائڈ (Side) کے لوگ تو ساتھ ہیں لیکن ہم لوگ کیسے اپنی رائے دے سکیں گے
جبکہ ہمارا خیال تھا کہ پچھلے سال فوڈ کی خرابی اور دوسری طرف راشننگ وغیرہ
کی کافی ذمہ داریاں کم ہو گئی ہیں اس لیے اس میں بچت ہونا ممکن تھا اور ڈیفیسٹ
کو پورا کرنا ممکن تھا لیکن ویسا نہیں ہوا بلکہ [illegible] کرنا (۴) لاکھ
روپیہ ہو گیا ہے جب ایسا ہے تو ہم کو خرچ کرنا پڑ رہا ہے تو ہم کو یہ بھی دیکھنا
ہے کس کی غلطی سے یہ نقصان ہوا اوس کے علاوہ ایک سیکنڈ ہاؤس میں کہی گئی
کہ صرف گیہوں میں (۴) لاکھ کا نقصان ہوا [illegible] ہے تو پھر منسٹر صاحب
کی کارکردگی پر ایک بہت بڑا دھبہ سمجھا جائیگا اس لیے میں منسٹر صاحب سے
کہوں گا کہ وہ ان کی تفصیلات پیش کریں تاکہ ہم اس کے متعلق کوئی رائے
قائم کرسکیں

ڈاکٹر جعفر [illegible] مسٹر اسپیکر سر میرے جو سپلیمنٹری ڈیمانڈس ہاؤس کے سامنے
ہیں وہ مختصر ہیں جن سیکشن ممبروں کے متعلق تقریروں میں ذکر کیا گیا ہے میں
اوس کے متعلق تفصیلات عرض کرونگا اگر اوس پر ریلسٹک ویو (Realistic View)
سے غور کیا جائے تو ہمدردانہ طور پر سیکشن [illegible] لگیں کے متعلق جو کہا گیا
اوسکی تصحیح آنریبل ممبر فرماسکینگے سب سے پہلے تو مجھے فوڈ سبسیڈی کے متعلق
عرض کرنا ہے میرے ایک دوست نے یہ فرمایا کہ سپلائی ڈپارٹمنٹ (Supply
Department) غیر ذمہ دارانہ طریقہ پر عمل کر رہا ہے اور اس رقم کو بھی
غیر ذمہ دارانہ طریقہ پر استعمال کرے گا جس غیر ذمہ دارانہ طریقہ سے ہمارے دوست
شری دیشمکھ نے ان الفاظ کو استعمال کیا ہے میں اون کو استعمال کرنا موزوں نہیں
سمجھتا یہ ممکن ہے کہ انہوں نے ناکافی معلومات کو سامنے رکھکر غلط فہمی میں
کہدیا ہو کہ سپلائی ڈپارٹمنٹ غیر ذمہ دارانہ طریقہ سے کام کر رہا ہے یہ بھی ممکن
ہے کہ انہیں محسوس ہو کہ حوالہ [illegible] میں نے ایسا کہدیا گزشتہ سال جب میں
ناگپور گیا تھا تو وہاں کے ایک بزرگ اور اسمبلی کے بڑے ورکر (البتہ وہ کانگریسی ہیں)
شری [illegible] اون سے اس سلسلہ میں بات چیت ہوئی تو انھوں نے کہا کہ آپ تو
مارواڑی سے بھی بڑھ گئے گزشتہ سال ہم نے ان سے جوار حاصل کی تھی میں یہ فخر
بڑا ( ) کے ساتھ عرض کرنا چاہتا ہوں کہ ہم غلہ کے معاملہ میں
جتنی احتیاط سے کام لیتے ہیں سارے پورے ہندوستان میں بھی اتنی احتیاط نہیں کی جاتی
خصوصیات کے ساتھ یہاں غلہ کے سلسلہ میں احتیاط کی جاتی ہے اوس کا ریفریکشن
ٹیسٹ (Refraction Test) کیا جاتا ہے اور جہاں کہیں سے اناج
حاصل کیا جاتا ہے اوس کے متعلق سائنٹیفک اپریٹس (Scientific Apparatus)
وغیرہ سے ٹیسٹ (Test) کرکے غلہ حاصل کیا جاتا ہے اس لیے یہ کہنا

کہ حیدرآباد کا سپلائی ڈپارٹمنٹ کافی احتیاط کے ساتھ کام نہیں کر رہا ہے جس کی وجہ سے نقصان ہو رہا ہے غلط فہمی اور ناکافی معلومات پر مبنی ہے میں قائد حزب مخالف آنریبل لیڈر آف دی اپوزیشن (hon Leader of the Opposition) کے اس خیال سے متفق ہوں کہ اخراجات وغیرہ کے متعلق پورے تفصیلات اور پورا پکچر (Picture) ہاؤز کے سامنے آنا چاہئے کیونکہ اس کی وجہ سے جو کچھ مباحث ہوئے ہیں اون میں خود بحث کمی واقع ہوگی آنریبل لیڈر آف دی ہاوز نے فرمایا ہے کہ بجٹ سے اس کا انتظام کیا جائیگا میں سمجھتا ہوں کہ اون کے کہنے کے بعد جو وعدہ کیا گیا وہ اس قدر کم ہے (صرف چند سطر) کہ اس پر بھی عمل کرنا ممکن نہیں ہے میں واقعی اس پر افسوس کرتا ہوں کہ جیسے معلومات ہاؤز کو ملنے چاہئیں نہیں ملے میں اپنے ڈپارٹمنٹ کی حد تک خاص طور پر اس بات کی کوشش کرونگا کہ اس سلسلہ میں پورا پکچر ہاؤز کے سامنے رکھا جائے

دوسری چیز یہ ہے کہ جو نقصان ہم پر عائد ہوا اوسکی وجہ میں آنریبل ممبرس آف دی ہاؤز (hon Members of the House) کو یاد دلانا چاہتا ہوں وہ یہ ہے کہ اوس زمانے میں ہم صرف دو اوس چاول دیتے تھے لیکن یہ مقدار ناکافی تھی اس لیے اس بات کی کوشش کی گئی کہ زیادہ چاول دیا جانے چاہئے آپ اس کو فیاضانہ پالیسی کہیے میں اس کے اڈجکٹیوز (Adjectives) میں جانے کی ضرورت نہیں سمجھتا ہوں اس کے علاوہ حکومت حیدرآباد نے بعض مقامات پر راشننگ کو برخاست کردیا اگرچہ کہ وہ مقامات بظاہر تعداد میں بہت تھے لیکن فی الحقیقت وہ راشننگ آبادی کا (۲) پرسنٹ بھی نہیں تھا اسکے برعکس (۳) سو پرسنٹ چاول کے کوٹہ میں اضافہ کی ضرورت تھی اس طرح چاول کی وجہ سے ہمارے ڈپارٹمنٹ کو نقصان برداشت کرنا پڑا یہ نیا سے جو چاول ہم نے منگوایا وہ (۳) روپیہ آنے جی فی من ملا میں ہاؤز کو یاد دلانا چاہتا ہوں کہ مجبوراً حکومت کو یہ برداشت کرنا پڑا مدھیہ پردیش اور بمبئی ( ) وغیرہ سے جہاں قیمتیں اس قدر زیادہ نہیں ہیں چاول کی پوری مقدار ملنا مشکل تھا ۔ اس حد تک جو نقصان ہوا وہ آپ کے سامنے ہے

جوار کی حد تک میں ہاؤز کو پوری ذمہ داری کے ساتھ اس کا یقین دلانا چاہتا ہوں کہ اس میں ایک پائی کا بھی نقصان نہیں ہوا کیونکہ ہم نے جو جوار باہر بھیجی ہے اوس کی قیمت میں پروکیورمنٹ چارجس (Procurement Charges) اور اسٹابلشمنٹ چارجس (Establishment charges) بھی لگائے گئے تھے ہماری حکومت نے ایک قاضی ہلانے کے لیے خود کا نقصان کرلیکر نہیں دیا ہے مجھے اس کا احساس ہے کہ چیاریٹی بگنس اٹ ہوم (Charity begins at home) کو ہمارے ٹریڈیشنل چیریٹیز (Traditional Charities) ہیں اور میں سمجھتا ہوں آنریبل ممبرس آف دی ہاوز بھی جو اس کو سمجھ سکتے ہیں لیکن اس حد تک ہم نے ان روایات کا خیال نہیں رکھا ہے

گیہوں کے بارے میں کہا گیا کہ اچھا ہوا کہ مرکز اور ریل وقت سے
کردیا انہوں نے کی مصیبت میں لے لی کوشش کی انہیں بتلانا چاہتا
ہوں کہ ایک میں نے پہلے ہی کہا ہے کہ وہ پوری تفصیلات ہاؤس کے سامنے
نہیں پیش کی گئیں جس کا آنا بہت ضروری تھا۔ مجموعی طور پر بارے میں میں عرض کرنا چاہتا
ہوں جس وقت ہم نے گیہوں امپورٹ (Import) کیا
اس وقت ہمارے ذہن میں ایک بہت بڑی بات یہی تھی ہم یہ چاہتے تھے کہ
اس وقت جتنا بھی ہو سکے اتنا اناج ہم جمع کر لیں تاکہ ہم پھر مل سکے حاصل کرلیا
جائے ۔ ۲ ع میں گورنمنٹ نے آگے کے لئے دیکھا کہ ضرورت ہوتی ہے
اسی وقت فوڈ سبسڈی (Food subsidy) دی گئی تھی اس وقت امر کہ
یہ ملوس میں ہم لاکھوں اناج جس کی قیمت کئی کروڑ روپیہ ہوتی ہے سرل
گورنمنٹ کے گودام میں آیا جس وقت آیا حاصل کیا گیا اگر اس کو نقصان تا بعد
احتیاطی یا لاپرواہی کہا جائے تو میں اس کا جواب دینے سے قاصر ہوں ۔ ہمارا اندازہ
تھا اس وقت ۲ ہزار ٹن کا اسٹاک (Stock) تھا اور سٹر کا مزید (۲)
ہزار ٹن دینے کا وعدہ تھا ۔ ہمارا خیال کویا تھا ( )ہزار ٹن گیہوں کا ہمیں
خسارہ ہوا تھا ہمارے پاس پرانا اسٹاک بھی تھا فوڈ سبسڈی دی گئی ہر جگہ میں
نے اس کو ویلکم (Welcome) کیا ۔ ہمارے دوستوں کو جواب جہاں
خود یہاں ہیں اراضگی ہوئی انہوں نے مجھ سے پوچھا تھا لیکن آج وہ بھی قائل
ہیں صورت یہ ہے کہ ہم گیہوں کے بیچنے کی ضرورت نہیں رہی مارچ کے بعد سے
ہم گیہوں کا ایک دانہ بھی نہیں نکال رہے ہیں اس کا آف ٹیک (Off take)
بھی کر گیا ہے اور کی مقدار جہاں (۲) ہزار ٹن تھی مہینہ تھی اب ہزار چار سو ہو گئی
ہے اس کو ٹھیک ہم بھی سے نہیں سمجھتے ہیں گورنمنٹ آف انڈیا سے جو ملتا تھا ہمیں
اس کو بھی انکار کر دیا ۔ وصول کی مقدار میں اضافہ کرکے ہم نے ہزار ٹن کی جائے
۲ ہزار ٹن وصول کیا تھا اس کے بعد ہم دیکھ رہے ہیں کہ گیہوں کا آف ٹیک نہیں
ہو رہا ہے اس لیے اس کی مختلف ورائٹیز (Varieties) کر دیکھیں
ہمارے یہ ہوتا تھا کہ لوکل ورائٹی (Local Variety) کا ریٹ بھی ۳
روپیہ تھا اور ریڈ ورائٹی (Red Variety) کا بھی ۳ روپیہ اور
وائٹ ورائٹی (White Variety) کا ریٹ بھی ۳ روپیہ تھا
اسکا نتیجہ یہ ہوتا تھا کہ ریڈ ورائٹی گوداموں میں پڑی رہتی تھی ہم نے اسکی قیمت
کم کردی اور لوکل ورائٹی کی سب جس کی بہت مانگ ہے ۹ روپیہ فی پلہ کر دی گئی
اس طرح اڈجسٹمنٹ (Adjustment) کیا گیا اسٹاک کا لیے کا بھی سوال
تھا ہم نے ایک کارروائی کی طرح اس کے لیے بھی کوشش کی دوسرے اسٹیٹس میں
اس سلسلے میں لاکھوں روپیوں کا نقصان ہوا لیکن حیدرآباد میں اس کا ا ر بہت کم ہو
اگر اس طرح پبلک کا کوئی نقصان ہوا ہے تو میں سپلائی منسٹر کی حیثیت سے اپنے آپ کو
گلٹی (Guilty) تسلیم کرنے اور ہاؤس کے سامنے سرخم کرنے کے لیے تیار ہوں
مجھے افسوس ہے کہ آنریبل ممبروں کے سامنے پورے واقعات نہیں آئے ہیں

Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

The motion was adopted

(As directed by Mr Speaker the motions for Supplementary Demands for grants as adopted by the House are reproduced below—E D)

DEMAND No 7— ELECTION CHARGES AND LEGISLATIVE ASSEMBLY

That a sum not exceeding Rs 1 08 829 under Demand No 7 (Election Charges and Legislative Assembly) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

DEMAND No 11—FOOD SUBSIDY

That a sum not exceeding Rs 21 89 956 under Demand No 11 (Food Subsidy) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

DEMAND No 14—68 B COMMUNITY DEVELOPMENT PROJECTS

That a sum not exceeding Rs 4 29 000 under Demand No 14 (68 B Community Development Projects) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

Shri V D Deshpande Before the House adjourns for the day I want to bring to the notice of the House Rule 170 of the Hyderabad Legislative Assembly Rules which runs

When a demand or any part of it relates to any new scheme or revision of scales of pay or allowances or creation of a new appointment all material details of such scheme or revision or appointment shall save in special circumstances be supplied to all Members at least three clear days before the demand is made

میرا اصرار تھری کلیرڈ ر (Three clear days) کے بارے میں ہے
نئی اسکیمات او ر ڈپارٹمنٹس اور ا ا س (Appointments)
کے بارے میں مصلحت نہیں دیکھی میں رول اف دی اسکیمس اف ہے اسمبلی الولسپی

کے رہے ہیں ہمارے سامنے ہوا ہیں آئے ہیں ہیں ہے اوں د اس کے معلق پورا
مواد ہاوس کے سے آئے اکہ مصلاب راے کرنے کی ہو وب ہی دہ داھو
اور اس کی روشنی ہیں ہم کب ہو ں ہ ں کریں ا ہ ریں او اسی کے ما ہے کہ
حسی کریں ہیں ہ وچ ڈاگ (Watch dog) ہی سمھا ہے ہم
عوام کے ہےوے ہ دے ں مک (Check) کا ہار ص ہے

Mr Speaker Of course the details as far as possible will be supplied

Shri V D Deshpande All material details the words are very clear in the rule

At 7 48 p m the house then adjourned till Three of the Clock on Friday the 27th day of March 1958